धुरन्धर टाइम्स

DHURANDHAR TIMES

समाचार देखने के लिए धुरन्धर टाइम्स के यूट्यूब चैनल को सब्सक्राइब करें

DHURANDHAR TIMES

Web : www.dhurandhartimes.com

परिवर्तन की ओर....

Email : dhurandhartimes@gmail.com

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

डी.डी. चौहान

Mob : 9015441661

वर्ष : 02 अंक : 10 17 से 23 मार्च 2019, कुल पृष्ठ : 10, मूल्य : 4 रूपये

Title-Code :- DELHIN28521

दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

दिल्ली सफाई मजदूर कर्मचारी आयोग.......

3

सिर्फ सरकार से जवाब नहीं मांगें, अपनी जिम्मेदारी भी निभाएं, सही व्यक्ति को चुनें

4

दलितों की सुनवाई को अनदेखा कर रही है सरकार

6

अगर आपने खाया बचा हुआ खाना तो बुरी सेहत के लिए होंगे आप जिम्मेदार

7

इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में राफेल नडाल भिड़ेंगे रोजर फेडरर से

8

कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने गांव मांडोठी में किया ग्रामीणों को संबोधित

9

बीजेपी उम्मीदवारों के नाम तय, शत्रुघ्न सिन्हा का टिकट काट कर रविशंकर प्रसाद को दिया

नीरज कुमार दुबे

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनावों के लिए 11 राज्यों से अपने कई उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दे दिया है। पार्टी अध्यक्ष अमित शाह की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में सभी नामों पर मुहर लगायी गयी। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित चुनाव समिति के सभी सदस्य शामिल थे। यह मैराथन बैठक 10 घंटे से ज्यादा चली। इस बैठक में उन नामों को पहले मंजूरी दी गयी जिन पर कोई विवाद नहीं था।

शनिवार देर रात तक जिन राज्यों के नामों पर चर्चा की गयी उनमें बिहार, असम, ओडिशा, उत्तराखंड, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक जो नाम पार्टी की ओर से तय कर दिये गये हैं उनके नाम इस प्रकार हैं-

-नितिन गडकरी को नागपुर से फिर बनाया गया उम्मीदवार

-किरीट सोमैया को मुंबई नॉर्थ ईस्ट से फिर मिला पार्टी का टिकट

-पूनम महाजन भी दोबारा टिकट हासिल करने में सफल, मुंबई सेंट्रल से बनीं उम्मीदवार

-केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह को दोबारा आरा से उम्मीदवार बनाया गया

-सूची में शत्रुघ्न सिन्हा का टिकट काट दिया गया, वह काफी समय से बगावत कर रहे थे

-शत्रुघ्न सिन्हा की जगह रविशंकर प्रसाद होंगे पटना साहिब से भाजपा के उम्मीदवार

-केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह को पूर्वी चंपारण से बनाया गया है उम्मीदवार

-भागलपुर से शाहनवाज हुसैन का भी टिकट कटा, उनकी भागलपुर सीट जदयू के खाते में गयी

-भाजपा ने बिहार की बाल्मीकिनगर, गोपालगंज, सीवान, गया, झंझारपुर सीट जदयू को दी

-पूर्व केंद्रीय मंत्री और पार्टी के प्रवक्ता राजीव प्रताप रूडी को छपरा से फिर मिला पार्टी का टिकट

-पश्चिमी चंपारण से संजय जायसवाल को भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया

आप और कांग्रेस गठबंधन पर बोले हर्षवर्धन, साथ में हराना होगा काफी आसान

संवाददाता, नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता डा. हर्षवर्धन ने भरोसा जताया है कि लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस को अलग-अलग हराने के बजाय इनके गंठबंधन को हराना ज्यादा आसान होगा। भाजपा नेतृत्व द्वारा चांदनी चौक के बजाय पूर्वी दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ाने को लेकर डा. हर्षवर्धन ने कहा कि फिलहाल ऐसा नहीं होने जा रहा, लेकिन अगर सीट बदली तो भी जीत तय है। दिल्ली की चांदनी चौक लोकसभा सीट से सांसद डा हर्षवर्धन ने बताया, 'आप और कांग्रेस ने चुनावी गठजोड़ की इच्छा जाहिर कर दी है। संभावित चुनावी तालमेल से साबित हो जायेगा कि मोदी सरकार की उपलब्धियों के प्रति विपक्ष का भय ही, गठबंधन की एकमात्र वजह है।'

उल्लेखनीय है कि 2014 के चुनाव में दिल्ली की सातों सीट भाजपा ने जीती थी। जबकि 2004 से 2014 तक संप्रग सरकार के दोनों कार्यकाल में सातों सीटों पर कांग्रेस काबिज रही। डा. हर्षवर्धन ने 'आप

कांग्रेस गठबंधन' से भाजपा को नुकसान के चुनावी विश्लेषणों को सिरे से नकारते हुये कहा कि यह गठबंधन दिल्ली में भाजपा की राह आसान बनाकर सातों सीटों पर जीत सुनिश्चत करेगा। क्योंकि जनता इस गठजोड़ के पीछे की हकीकत और मजबूरी को समझ गयी है। उन्होंने इसे बेमेल गठबंधन करार देते हुये कहा कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार को कोसते हुये दिल्ली की सत्ता तक पहुंचने वाले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के लिये, अब कांग्रेस की स्वीकार्यता, किसी मजबूरी का ही परिणाम हो सकती है। केजरीवाल और कांग्रेस, दोनों के लिये सियासी वजूद को बचाने की यह मजबूरी, इस चुनाव ने उजागर कर दी है।

भाजपा नेतृत्व द्वारा चांदनी चौक के बजाय पूर्वी दिल्ली से चुनाव लड़ाने की आशंकाओं के सवाल पर डा हर्षवर्धन ने कहा कि फिलहाल ऐसा नहीं होने जा रहा, लेकिन अगर सीट बदली तो भी जीत तय है। वैसे भी मोदी सरकार की असाधारण उपलब्धियों ने जब धुर विरोधियों को मिलने पर मजबूर कर दिया हो, ऐसे में भाजपा का कोई भी उम्मीदवार किसी भी सीट से पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिये आश्वस्त है। बतौर पर्यावरण और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, देश और दिल्ली के लिये अपनी पांच असाधारण उपलब्धियों के सवाल पर डा. हर्षवर्धन ने कहा कि मौसम के पूर्वानुमान की विश्व में सर्वाधिक उन्नत तकनीक इस्तेमाल करने वाला, भारत दुनिया का चौथा देश हो गया है।

इस तकनीक के लाभ से देश के 4.2 करोड़ किसानों को मोबाइल फोन के माध्यम से जोड़ने वाला सबसे बड़ा देश भारत है। इससे सकल घरेलू उत्पाद में कृषि उत्पादन का 2015 में योगदान 50 हजार करोड़ रुपये हो गया था। इसके ताजा आंकड़ों का विश्लेषण जारी है। इसी प्रकार भारत, एकमात्र देश है जिसने सुनामी से आगाह करने वाली 'त्वरित चेतावनी प्रणाली' को लागू किया है।

इसका लाभ अन्य तटवर्ती देश भी उठा रहे हैं। डा. हर्षवर्धन ने कहा कि जहां तक दिल्ली का सवाल है तो, जनसामान्य की सेहत से जुड़े 'ओपन जिम' की संकल्पना से चांदनी चौक ने पूरे देश को अवगत कराया। चांदनी चौक, देश में सर्वाधिक 200 'ओपन जिम' वाला एकमात्र लोकसभा क्षेत्र है।

पंजाब में सोनू सूद पर दांव खेलने की तैयारी में कांग्रेस और अकाली दल

अंकित सिंह

चुवान घोषणा के साथ ही सभी पार्टियों के लिए एक बड़ी चुनौती प्रत्याशियों का चयन होता है। प्रत्याशियों की सूची में किसे शामिल करें और किसे नहीं यह एक मुश्किल काम है। इसी कड़ी में सभी पार्टियां ऐसे व्यक्ति की तलाश में जुट जाती है जो उन्हें जीत दिलवा सके। इसके लिए पार्टियां बड़ी हस्तियों से भी संपर्क साधने में लगी रहती हैं। पंजाब के लुधियाना सीट की बात करें तो यहां शिरोमणी अकाली दल और कांग्रेस किसी फिल्मी हस्ती को उतारने के मूड में है। इस रेस में सबसे आगे सोनू सूद का नाम चल रहा है। सोनू सूद एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं और उनकी कई फिल्में सुपरहिट भी रही हैं। अकाली दल अध्यक्ष खुखबीर सिंह बादल ने 13 दिन पहले सोनू सूद से मुलाकात कर उन्हें चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था वहीं कांग्रेस भी उन्हें साधने की कोशिश कर रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि सोनू सूद से पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने मुलाकात कर कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने की बात कहीं है। हालांकि सूद ने अभी तक दोनों पार्टियों को किसी भी प्रकार का आश्वासन नहीं दिया है। अकाली दल ने सोनू सूद से यहां तक कह दिया है कि वह सिर्फ प्रत्याशी बन जाएं तो पार्टी चुनाव लड़ लेगी। फिलहाल सोनू सभी दलों से यह कह रहे हैं कि उनका अभी राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है। वह सही समय आने पर इस मामले में विचार करेंगे। सूत्र यह भी बताते हैं कि विधानसभा चुनाव के दौरान भी दोनों पार्टियों ने सोनू सूद से संपर्क किया था पर बात नहीं बन पाई थी। फिलहाल लुधियाना सीट कांग्रेस के रवनीत सिंह के पास है पर दिग्गज नेता मनीष तिवारी ने अपनी दावेदारी कर कांग्रेस की टेंशन बढ़ा दी है।

मोदी सरकार काम करने में रही विफल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार को पूरी तरह विफल बताते हुए शनिवार को कहा कि उसकी उपलब्धियां 'जीरो' हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश का किसान वर्ग मोदी सरकार के खिलाफ है। जमवारामगढ़ में पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने सौ स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा की थी, एक भी नहीं बनी। किसानों की आमदनी दोगुनी करने की बात की थी लेकिन किसान आत्महत्या कर रहे हैं। आंदोलन कर रहे हैं सड़कों पर। आज अगर सबसे ज्यादा कोई मोदी सरकार के खिलाफ है तो वह इस देश का किसान है, यह मैं दावे के साथ कह सकता हूं।

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

Yash Coaching Class

9th, 10th, 11th & 12th
All Subject English, Math, Science, Political Science, Economic.

English Speaking Course only 3 months

Nios, Patrachar and CBSE 10th 12th .
BA. MA. Full Subject Classes.

Ajay Kumar Mob : 9716473081

C-8, Bharat Vihar, Sec-15, Dwarka (Kakrola).

कांग्रेस में शामिल होने से पहले विधायक पद से इस्तीफा दें अलका लांबा : सौरभ

संवाददाता, नई दिल्ली
आम आदमी पार्टी की चांदनी चौक से विधायक अलका लांबा के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बाद पार्टी ने अपनी राय स्पष्ट की है। आप नेता सौरभ ने अलका लांबा के कांग्रेस में वापसी के मुद्दे पर साफ किया कि अगर वह कांग्रेस में शामिल होना चाहती हैं तो पहले उन्हें आम आदमी पार्टी के विधायक पद से इस्तीफा देना होगा। सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि 20 साल तक कांग्रेस की सेवा करने के बाद भी उन्हें यह पद नहीं मिला था, जो आम आदमी पार्टी ने उन्हें दिया। इस विधायक की कुर्सी को छोड़ने के लिए साहस होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पीसी चाको ने भी अलका लांबा की कांग्रेस में वापसी पर उनका स्वागत करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के कई ऐसे नेता थे, जो अलग अलग वजहों से पार्टी छोड़े लेकिन अब पार्टी में वापस आना चाहते है। ऐसे लोगों के वापस आने पर उनका स्वागत होगा।

अलका लांबा

गोवा में कांग्रेस ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, कहा- पर्रिकर के पास बहुमत नहीं

संवाददाता, नई दिल्ली
गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर की बीमारी के मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस ने राज्यपाल मृदुला सिन्हा को पत्र लिखकर उनसे भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को बर्खास्त करने और कांग्रेस पार्टी को राज्य में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने की मांग की है। कांग्रेस ने कहा, गोवा विधानसभा में भाजपा की संख्या कम हो सकती है। राज्यपाल को संबोधित एक पत्र में विपक्ष के नेता चंद्रकांत कावलेकर ने कहा, मनोहर पर्रिकर के नेतृत्व में भाजपा की अगुवाई वाली राज्य सरकार, जो लंबे समय से लोगों का विश्वास खो चुकी है, ने सदन में भी अपनी ताकत खो दी है। कावलेकर ने अपने पत्र में कहा है कि इस राज्य सरकार को बर्खास्त करने और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी सदन में सबसे बड़ी पार्टी है और वर्तमान में बहुमत प्राप्त करने के लिए सरकार बनाने का आह्वान कर रही है।

फरवरी 2017 में चुनाव परिणाम घोषित होने के समय कांग्रेस 17 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी लेकिन पार्टी के तीन विधायक दल बदल कर भाजपा में शामिल हो गए। उस समय तत्कालीन रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर को नई दिल्ली से गोवा स्थानांतरित करने के बाद भाजपा ने सूबे में सरकार बनाई और मनोहर पर्रिकर मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस के विधायक विश्वजीत राणे को पार्टी से इस्तीफा देने से पहले उन्हें प्रदेश सरकार में मंत्री बना दिया गया।

दो अन्य कांग्रेस विधायकों दयानंद सोप्ते और सुभाष शिरोडकर ने पिछले साल अक्टूबर में भाजपा में शामिल होने के लिए पार्टी छोड़ दी। वे लोकसभा चुनावों के साथ-साथ होने वाले उपचुनाव का सामना करेंगे। इस साल फरवरी में भाजपा विधाायक फ्रांसिस डिसूजा का भी निध न हो चुका है।

इसका हवाला देते हुए कांग्रेस ने अपने पत्र में कहा है कि इससे भाजपा विधायकों की तादाद सदन में और कम हो गई है। बताया जा रहा है कि पर्रिकर के अलावा भाजपा के एक अन्य विधायक पांडुरंग मडिक्कर भी अस्वस्थ हैं और पिछले साल जून के बाद से वह इस स्थिति में नहीं हैं कि जरूरत पड़ने पर फ्लोर टेस्ट के समय मतदान में हिस्सा ले सकें। इस बार सरकार बनाने का दावा ऐसे समय में आया है जब रिपोर्टों में संकेत दिया गया है कि मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर की तबीयत ज्यादा खराब हो रही है।

हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा है कि मनोहर पर्रिकर का स्वास्थ्य स्थिर बना हुआ है। कांग्रेस ने यह भी चेतावनी दी है कि संवैधानिक जनादेश का उल्लंघन करते हुए सरकार बनाने के लिए एकल सबसे बड़ी पार्टी को आमंत्रित न करने और राज्य को राष्ट्रपति शासन के तहत लाने के लिए कोई भी प्रयास अलोकतांत्रिक और अवैध होगा। गौरतलब है कि गोवा में विधानसभा की कुल 40 सीटें हैं। भाजपा विधायक फ्रांसिस डिसूजा के निधन, कांग्रेस सुभाष शिरोडकर और दयानंद सोप्ते के इस्तीफा देने के चलते सूबे में अब 37 एमएलए ही बचे हैं। सोप्ते और शिरोडकर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। इसके चलते कांग्रेस पर अब 16 की बजाय 14 विधायक ही बचे हैं, जबकि भाजपा के पास 13 विधायक हैं।

हालांकि भाजपा को गोवा फॉरवर्ड पार्टी के तीन, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी के तीन और एनसीपी के एक विधायक के अलावा एक निर्दलीय का भी समर्थन हासिल है। इस तरह भाजपा के पास कुल 21 विधायकों का समर्थन है।

जान से मारने की धमकी देकर बदमाशों ने लूटे लाखों रुपये

संवाददाता, नई दिल्ली
उत्तर पश्चिमी जिले के भलस्वा डेयरी इलाके में कार सवार बदमाशों ने एक युवक से लाखों रुपये लूट लिए। विरोध करने पर बदमाशों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश कर रही है। पीड़ित सत प्रकाश (29) परिवार के साथ स्वरूप विहार में रहता है और एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। पुलिस को दी शिकायत में सत प्रकाश ने बताया कि शनिवार सुबह कंपनी के काम से नगली गांव में एक पार्टी के पास गया और सात लाख रुपये लेकर ऑफिस लौट रहा था। जब वह भलस्वा रिंग रोड के पास पहुंचा तो सफेद रंग की होंडा सिटी कार ने ओवर टेक कर उसकी स्कूटी को रोक लिया। पीड़ित ने बताया कि कार से तीन युवक बाहर आए। एक युवक ने उसके साथ मारपीट की और पैसों वाला बैग देने को कहा। विरोध करने पर दूसरे बदमाश ने गोली मारने की धमकी दी और पीड़ित से बैग छीन लिया। बैग में करीब सात लाख रुपये व अन्य जरूरी कागजात थे। फिलहाल पुलिस पीड़ित द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने शातिर ठग को किया गिरफ्तार

संवाददाता, नई दिल्ली
ऑनलाइन जॉब पोर्टल से बेरोजगार युवकों का डाटा लेकर ठगी करने वाले शातिर युवक को दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस ने दबोचा है। आरोपित की पहचान बुराड़ी, दिल्ली निवासी गौतम कश्यप (24) के रूप में हुई है। आरोपित ने 34 वर्षीय युवक से बढ़िया नौकरी दिलाने के नाम पर पिछले 28 माह में 9.50 लाख रुपये ठग लिए। आरोपित गौतम के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। फिलहाल पुलिस को इस मामले में गौतम के दो अन्य साथियों की तलाश है।

दक्षिण-पूर्व जिले के डीसीपी चिन्मय बिश्वाल ने शनिवार दोपहर को जानकारी देते हुए बताया कि अक्टूबर 2018 में 34 वर्षीय शिकायतकर्ता ने जिले की साइबर सेल को नौकरी के नाम पर 9.50 लाख रुपये की ठगी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि

उसने 2016 में एक नामी ऑनलाइन जॉब पोर्टल पर नौकरी के लिए अपना बायोडाटा दिया था। सके बाद से उसे नौकरी की कॉल आने लगी। आरोपितों ने पीड़ित से अलग-अलग मदों में नौकरी लगवाने के नाम पर पेटीएम के जरिए 28 माह में 9.50 लाख रुपये ठग लिए। इसके बाद भी पीड़ित की कहीं नौकरी नहीं लगी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पीड़ित ने आरोपित के पेटीएम के अलग-अलग खातों में रुपये ट्रांसफर किए थे लेकिन पेटीएम के सभी खातों से रुपये बुराड़ी स्थित कोटक महिंद्रा बैंक के शाखा में गौतम कश्यप नामक युवक के खाते में गए। पुलिस ने आरोपित को बुराड़ी से गुरुवार को दबोच लिया। आरोपित ने वारदात में अपना हाथ होने की बात कबूल ली है। आरोपित ने बताया कि उसने वैभव मिश्रा, अमर सिंह एवं गगन शर्मा नामक लोगों के साथ मिलकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। गौतम खुद एक कॉल सेंटर में काम करता था। वहां वैभव व अमर उसके मैनेजर थे। बाद में आरोपितों ने ठगी का धंधा शुरू कर दिया। वैभव विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल से बेरोजगारों का डाटा गौतम को देता था। आरोपित उनको कॉल कर नौकरी लगवाने का झांसा देकर ठगी करते थे। इस मामले में पुलिस को तीन अन्य आरोपितों की तलाश है।

तिहाड़ जेल अधिकारियों को 13 से 17 फरवरी के सीसीटीवी फुटेज कोर्ट में पेश करने के निर्देश

संवाददाता, नई दिल्ली
दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया है कि वो जेल नंबर-7 का 13 से 17 फरवरी के बीच का सीसीटीवी फुटेज पेश करे। स्पेशल सीबीआई जज अरविंद कुमार ने तिहाड़ जेल को 19 मार्च तक सीसीटीवी फुटेज पेश करने का निर्देश दिया है। पटियाला हाउस कोर्ट अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला मामले के आरोपित क्रिश्चियन मिशेल की उस शिकायत पर सुनाया है जिसमें उसने तिहाड़ जेल में प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पिछले 14 मार्च को तिहाड़ जेल ने दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट को बताया था कि इस मामले के आरोपित क्रिश्चियन मिशेल का ये आरोप गलत है कि उसे जेल के अंदर प्रताड़ित किया जा रहा है। तिहाड़ जेल प्रशासन ने स्पेशल जज अरविंद कुमार को बताया था कि मिशेल को जेल में जेल मैन्युअल के मुताबिक सभी सुविधाएं दी जा रही हैं। सुनवाई के दौरान तिहाड़ जेल के अधिकारी ने कोर्ट को एक हार्ड डिस्क सौंपा था, जिसमें तिहाड़ जेल के सीसीटीवी फुटेज दिखाए गए हैं। उस सीसीटीवी फुटेज में मिशेल को टहलने, कैंटीन में जाने और दूसरे कैदियों से मिलते हुए दिखाया गया है। सीबीआई की ओर से वकील डीपी सिंह और ईडी की ओर से वकील एनके माटा ने कहा था कि मिशेल एक विदेशी नागरिक है और उसे प्रत्यर्पित कर लाया गया है। उसकी सुरक्षा देश की जिम्मेदारी है।

पिछले 11 मार्च को कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला मामले के आरोपित क्रिश्चियन मिशेल से जेल के अंदर पूछताछ करने की ईडी को अनुमति दी थी। स्पेष्ठाल जज अरविंद कुमार ने ईडी को निर्देश दिया था कि वो 13 और 14 मार्च को मिशेल से जेल के अंदर पूछताछ करे। कोर्ट ने तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया था कि वे मिशेल को जेल में शिफ्ट किए जाने की सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्ड कोर्ट को सौंपें। सुनवाई के दौरान मिशेल ने कहा था कि वो मई 2014 में सीबीआई के अधिकारी राकेश अस्थाना से मिला था। राकेश अस्थाना ने उससे कहा था कि अगर वह सहयोग नहीं करेगा तो उसकी जिंदगी तबाह हो जाएगी। मिशेल ने कोर्ट में अर्जी दाखिल कर जेल नंबर 7 में शिफ्ट करने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान मिशेल के वकील ने कहा था कि उसे जेल में मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। इस पर कोर्ट ने मिशेल को कोर्ट में पेश करने के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया था। पिछले 5 मार्च को मिशेल की एकांत कारावास में रखने के खिलाफ दायर अर्जी पर सुनवाई करते हुए पटियाला हाउस कोर्ट ने मिशेल की सुरक्षा का ख्याल रखने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने तिहाड़ जेल प्रशासन की उस दलील के बाद ये आदेश दिया था कि मिशेल को जेल नंबर-2 में सुरक्षा वजहों से शिफ्ट किया गया है। कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया था कि मिशेल को जेल नंबर-2 से जेल नंबर-1, 3 या 4 में शिफ्ट किया जाए। कोर्ट ने मिशेल को वो सभी सुविधाएं देने का निर्देश दिया जो दूसरे कैदियों को जेल मैन्युअल के मुताबिक मिलती है। कोर्ट ने तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि वो मिशेल की सुरक्षा की समीक्षा करें और उसे उचित सेल में रखने का फैसला करें। पिछले 25 फरवरी को कोर्ट ने मिशेल को गर्मी के कपड़े देने के लिए अपने वकील से मीटिंग करने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया था कि वो इसके लिए मिशेल को उसके वकील से मिलने दें। पिछले 16 फरवरी को कोर्ट ने मिष्ठोल की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। ईडी और सीबीआई दोनों ने मिशेल की जमानत का विरोध करते हुए कहा था कि उसकी प्रभावशाली लोगों से नजदीकी है, जमानत मिलने पर देष्ठा छोड़कर भाग सकता है। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने मिशेल की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि कोर्ट सीबीआई और ईडी दोनों के चार्जशीट पर संज्ञान ले चुकी है इसलिए आरोपित डिफ़ाल्ट जमानत का दावा नहीं कर सकता है। मिशेल ने अपनी जमानत याचिका में कहा था कि उसके खिलाफ 60 दिनों की तय समय-सीमा में चार्जशीट दाखिल नहीं की गई थी। मिशेल ने कहा था कि जांच पूरी हो चुकी है। 22 दिसंबर, 2018 को भी कोर्ट ने मिशेल की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और ईडी की रिमांड पर भेज दिया था।

11 दिसंबर 2018 को कोर्ट ने मिशेल के हस्ताक्षर और हैंडराइटिंग के सैंपल लेने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने मिशेल को अपने परिवार के सदस्यों में से अपने भाई के अलावा सभी लोगों से बात करने की अनुमति दी थी। मिष्ठोल को प्रत्यर्पण से लाने के बाद 4 दिसंबर की रात में ही सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया था। सीबीआई ने कहा था कि अगस्ता घोटाले की करीब 3 हजार करोड़ रुपये की रकम दुबई के दो खातों में ट्रांसफर किए गए।

सिखों ने जुल्म के विरूद्ध तलवार ना उठाई होतीं तो आज हिन्दुस्तान का इतिहास ही कुछ और होता : सांसद

संवाददाता, नई दिल्ली
सिक्खों की बाहुल्य आबादी वाले क्षेत्र में स्थित सुभाषनगर चौंक पेसेफिक मॉल के सामने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा एवं संगतों के सहयोग से देश में पहली बार दिल्ली फतेह करने वाले तीन महान् जरनैलों बाबा बघेल सिंह, जत्थेदार बाबा जस्सा सिंह आहलुवालिया एवं सरदार जस्सा सिंह रामगढ़िया की स्थापित प्रमिमाओं को दिल्ली की संगतों को समर्पित किया गया। इस अवसर पर अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह, केशगढ़ साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह, बाबा बुडढा दल के मुखी बाबा बलवंत सिंह, शिरोमणी अकाली दल के वरिष्ठ नेता स: बलविन्दर सिंह भूंदड़, तरसेम सिंह मोरांवाली, गुरप्रीत सिंह लाडला, बुडढा दल के गतका अकादमी ग्रुप ने पहली बार भाग लिया। इस अवसर पर सभी तख्त के जत्थेदारों ने दिल्ली कमेटी द्वारा किये गये इस पंथक कार्यो के लिए बधाई देते हुए कहा कि कमेटी पदाधिकारियों ने इस प्रकार की प्रचार प्रसार की सेवाऐं निभाते और सिखों के लामिसाल इतिहास को संसार भर को अवगत करवाते रहना चाहिये। जत्थेदारों ने प्रतिमाऐं स्थापित करने के लिए प्रवेश वर्मा एंव सिरसा का खास तौर पर धन्यवाद किया।

इस अवसर पर दिल्ली कमेटी के महासचिव मनजिन्दर सिंह सिरसा ने भारी संगत की एकत्रता को संबोंधन करते हुए कहा कि 2013 में दिल्ली कमेटी की सेवा प्राप्त करने के बाद कमेटी ने सिखों के भुला दियें गये इतिहास को पुनर्जीवत कर संसार भर के सामने ला कर लाल किले पर फतेह दिवस मनाना एवं अन्य शताब्दियों के बड़े स्तर पर मनाना शुरू किया। ये वहीं जरनैल हैं जिन्होंने देश के स्वामिमान को जीवत कर उस समय दिल्ली में गुरूधामों की निशानदेही कर वहां गुरूद्वारों की स्थापना की जब मुगलों की तूती बोलती थी। देश के इतिहास में यह पहला प्रयास है कि तीनों सिख जरनैलों की आदमकद प्रतिमाऐं लगी हैं। आज लाल किले में जो लाईट एंड साऊंड कार्यक्रम में यह तो बताया जाता है कि गोरों से देश को आजादी कैसे मिली पर यह नहीं बताया जाता है कि मुगलों से हिन्दुस्तानियां को आजादी किसने दिलवाई। दिल्ली फतेह करने के बाद इन जरनैलों ने मुगल सल्तनत के फखर तख्त-ए-ताऊस को उखाड़ कर अकाल तख्त साहिब के पैरों में जा फेंका था जो आज भी रामगढ़िया बुंगे में पड़ा मिल जायेगा। भले ही मौके की सरकारों ने हमारी नस्लकुशी में कोई कमी नहीं छोड़ी थी पर गुरू महाराज की कृपा से सिक्ख फिर भी चढ़दीकला में विचरन कर रहें हैं। सिक्खों की हस्ती को कोई मिटा नहीं सका क्यांकि हमारा इतिहास एवं विरसा हमारे कामों से बोलता है। सिरसा ने सारागढ़ी का युद्ध, कारगिल का युद्ध आदि के बारे में भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का अफसोस होता है कि दिल्ली सरकार में मेरे तीन अन्य सिख भाई भी विधायक हैं पर उन्होंने आजतक मुझे किसी भी पंथक कार्य के लिए अपना सहयोग नहीं दिया। मैं बाबा बंदा सिंह बहादर की शहीदी शताब्दी के अवसर पर बारामूला पुल का नाम बाबा बंदा सिंह बहादर के नाम पर रखने की कवायद शुरू की थी वह सिर्फ दिल्ली सरकार के कागजों तक ही सिमट कर रह गई। बाबा बंदा सिंह बहादर की प्रतिमा स्थापित करने के लिए उस समय की पंजाब की अकाली सरकार द्वारा दिल्ली में अपनी जगह दी। सिरसा ने प्रवेश वर्मा का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने डेढ एकड़ की जगह दिलवाने में अह्म भूमिका निभाई। इस अवसर पर बाबा बलबीर सिंह जी मुखी बाबा बुडढा दल ने कहा कि इस कार्य को सिरे चढ़ाने वाले सभी सज्जन बघाई के पात्र है।

सखों द्वारा दिल्ली फतेह कर राज स्थापित करने का कोई लक्ष्य नहीं था। उन्होंने गुरू नानक देव जी के 550वें वर्ज़ प्रकाश पर्व में अपना अधिक से अधिाक योगदान देने पर इन प्रोग्रामों को बड़े स्तर पर मनाने की अपील की। बलविन्दर सिंह भूंदड़ ने कहा कि सिक्ख कौम संख्या में कम है पर सिखों का इतिहास बहुत बड़ा है। यदि देश सिक्खों के इतिहास को जानबूझकर निष्क्रिय ना होता तो इन जरनैलों की प्रतिमाऐं 1947 से पहले ही लग चुकी होती। यह वही कौम है जिनके सिरों के मुल्य लगाये गऐ थे और जिन्होंने भारत को अंग्रेजों से मुक्त करवाने के लिए अह्म योगदान दिया था। उन्होंने शिरोमणी अकाली दल द्वारा अंग्रेज सरकार से गुरुद्वारा प्रबंध वापस लेने पर महात्मा गांधी द्वारा इस जीत की बधाई का जिक्र भी किया। प्रवेश वर्मा ने कहा कि मनजिन्दर सिंह सिरसा सिक्खों की शान है, इनके सहयोग के बिना आज यहां सिक्ख जरनैलों की प्रतिमाऐं लगाने में कामयाबी मिली। उन्होंने 1984 का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे उनके पिता जी ने सिख परिवारों की जान बचाई थी। उन्होंने कहा कि सिख कौम का देश पर बहुत बड़ा परोपकार है। यदि सिखों ने जुल्म के विरूद्ध तलवार ना उठाई होतीं तो आज हिन्दुस्तान का इतिहास ही कुछ और होता।

पंचर गिरोह ने कारोबारी की कार से उड़ाए लाखों रुपये

संवाददाता, नई दिल्ली
पश्चिमी जिले के मोती नगर इलाके में एक कारोबारी की कार से पंचर गिरोह ने लाखों रुपये उड़ा लिए। बदमाष्ठों ने पहले कारोबारी को कार का टायर पंचर होने की बात कहकर उसे रोका, फिर कार से रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ित सुनील (47) ने मामले की सूचना पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार सुनील परिवार के साथ इन्द्र विहार में रहते है। पीड़ित का

निजी कारोबार है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि वह प्रतापगंज स्थित अपने ऑफिस से मायापुरी अपने एक जानकार के पास सुबह आए। मायापुरी में उक्त व्यक्ति के नहीं मिलने वह वापस ऑफिस जाने लगे। इस बीच जब वह मोती नगर के पास पहुंचे तो उनके पास स्कूटी सवार दो युवक आए, जिन्होंने इशारा करके बताया कि उनकी कार का टायर पंचर हो गया है। पीड़ित ने तुरंत कार को एक किनारे खड़ा किया और टायर देखने लगे। सभी टायर ठीक थे। तब एक युवक को दौड़ता हुआ आया और कार की सीट पर रखे बैग को लेकर फरार हो गया। बैग में करीब सात लाख रुपये व अन्य जरूरी कागजात थे। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में लगी है ताकि बदमाशों की पहचान की जा सके।

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

LIC M.: 9990188302
MANOJ KUMAR
(Chief Life Insurance Advisor)
Zonal Manager Club
भारतीय जीवन बीमा निगम
Consult me for Complete Family Financial Safety / Cashless Mediclaim
off. C-29, C-1, Block, Near Janak Cinema, Janakpuri, New Delhi-58

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

हरि राम वर्मा मो. 9999855058
D-15, Bindapur, J.J. Colony, Pocket-4, Uttam Nagar, New Delhi-59

Aryavrat Musical Group
आर्यावर्त म्यूजिकल ग्रुप
Note: Contact us for all types of musical events
Cell: +91 9015441661, +91 8700925835
e-Mail: aryavratmusical@gmail.com

पंखा रोड (उत्तमनगर) में जीवन पार्क बस स्टैंड और तिलक पुल के पास रोड की खुदाई बना वाहन और राहगीरों के लिए जान का खतरा। बिना किसी साइन बोर्ड के रास्ते की खुदाई। (छाया : टाइम्स)

दिल्ली सफाई मजदूर कर्मचारी आयोग को दिया जाएगा समयबद्ध तरीके से वित्तीय अधिकार : तिवारी

संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दिल्ली जल मल कर्मचारी संघ के 22वें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुये कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि जहां एक ओर अरविन्द केजरीवाल सरकार दिल्ली को विश्वस्तरीय बनाने के झूठे दावे करती है, वहीं दूसरी ओर देश की राजधानी में हर कुछ समय बाद हमें सफाई मजदूरों की सीवर सफाई कार्य करते हुये मृत्यु के समाचार मिलते हैं।

दिल्ली जल मल कर्मचारी संघ के 22वें वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर दीप प्रज्वलित करते सांसद मनोज तिवारी। (छाया : राष्ट्रीय प्रसार)

मनोज तिवारी ने कहा कि आज जब दिल्ली जल बोर्ड बड़े लाभ में चल रहा है ऐसे समय दिल्ली के सरकारी या प्राइवेट सीवर सफाई कर्मियों की इस तरह दुखद मृत्यु के समाचार हमें विचलित करते हैं। उन्होंने कहा कि गत दो वर्षों में स्वयं मैंने राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के माध्यम से दिल्ली में ऐसी घटनाओं में मृत कर्मचारियों के परिवारों को राहत दिलाने का प्रयास किया पर अनेक वादों के बाद भी केजरीवाल सरकार ने सफाई कर्मियों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने में कोई रूचि नहीं दिखाई है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि 2020 में निश्चित तौर पर दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी और हमारे पहले बड़े कार्यों में यह सुनिश्चित करना होगा कि सफाई मजदूरों को आवश्यक सफाई उपकरण मिले और प्राइवेट सफाई कर्मियों को भी उनके कार्य की उचित मजदूरी मिले। सरकार में आने पर भाजपा दिल्ली सफाई मजदूर कर्मचारी आयोग को समयबद्ध तरीके से वित्तीय अधिकार देगी।

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Anil Panwar B.Tech (D.U.) M. :9958305856
Rocky Kumar B.SC(H) (D.U.) M.: 7991180719
Advance Tution Classes
Home Tution by Experts For Class 5th to 10th
Class : 5th to 10th All Subjects
Home Tuition in Mahavir Enclave, Bindapur, Dwarka and Uttam Nagar.

MAHESH TEA SHOP
होली की हार्दिक शुभकामनाएं

Jhuggi No-13, 40 Feet Road, Chanakya Place, Uttam nagar, New Delhi-59
Mob : 9599401965

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Raj Store

गुरभजन
D-27, Bindapur, J.J. Colony, Pocket-4, Uttam Nagar, New Delhi-59
Mob : 9818845426

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
ANUP GOYAL M. 9968413632
SHREE SHYAM BOOT HOUSE
Spl:- All Kinds of Leather, Sports, Casuals & Kids Shoes, Fancy Ladies Sandals & School Shoes
C- 473, 60 Feet Road Shani Bazar Chowk,Mahavir Enclave Part-III, New Delhi-59

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

शंकर शर्मा मो. 9891346730
S-15, Chanakya Place, Part-2, Bindapur, Uttam Nagar, New Delhi-59

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
M. 8527177503
न्यू समीर टैन्ट हाऊस
कैटरिंग एण्ड कैटर्स
ARRANGEMENT FOR : TENT, LIGHT, GENERATATOR & FLOWER DECORATION FOR MARRIAGE & PARTIES
हमारे यहाँ टेन्ट का समान किराये पर मीलता है।
E-130, Bindapur Pkt.-4, 40 Feet Road, Near Sunday Bazar Opp. C-1 Janak Puri, N. D.-59

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

गिरिश शर्मा मो. 9312321760
L-21, Chanakya Place, Part-2, Bindapur, Uttam Nagar, New Delhi-59

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
LIC
RAJKUMAR
Business Associate
M. : 9350837951
9213936922
Part Time Business Oportunities
Branch Office : 128, C-26-27, C- Block Community Center, Janak Puri, New Delhi - 110058
P. Office : Shop No. 27, Ground Floor C Block, Community Center Janakpuri, New Delhi-110058
E-mail : rajkumarsingh6922@gmail.com

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
ASHOKA DOCUMENTATION
Ankush Tyagi M. 9811406748
Advocate & Legal Consultant
Consultant : ASHOK KUMAR TYAGI Adv. & Notary Mob.: 9350502558
Chamber No. 324, District Courts, Sec.-10, Dwarka, New Delhi-75
HEAD OFFICE - UTTAM NAGAR -
A-3, Main Najafgarh Road, Opp. Metro Pillar No. 659 Uttam Nagar, New Delhi-110059
JANAKPURI -
Office No. 201, 2nd Floor, Service Industrial Building, District Center Authority, Janak Puri, New Delhi-110058
ashokadocumentations@gmail.com
www.ashokadocumentation.com

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

राम भजन मो. 9211381677
D-119, Bindapur, J.J. Colony, Pocket-4, Uttam Nagar, New Delhi-59

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Lalit Gautam M. 9250086171
GJ
Gautam Jewellers

23ct Gold Ornament Order
RZ-213, Mahavir Enclave, Part-II
40 Feet Road, Janakpuri, New Delhi-59

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
V.A. ELECTRICALS
Mob : 09716275409, 09990450706
A-371, Gali No-11, Mahavir Enclave, Part-II, New Delhi-59

हंस टेलर्स

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रमोद कुमार मो. 8178678220
A-529C, Gali No-15, Mahavir Enclave, Part-II, New Delhi-59

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
अमर रंगीला एण्ड पार्टी

विशाल म्यूजिकल ग्रुप
हमारे यहां भगवती जागरण, चौकी, साईं संध्या, खाटु श्याम जागरण, बाला जी जागरण, अखण्ड रामायण पाठ, संगीतमय सुन्दर काण्ड पाठ, सभी प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम के लिए सम्पर्क करें
अमर रंगीला मो. 9871580532, 9818456476
सी-8, भरत विहार, सेक्टर-15, द्वारका

धुरन्धर टाइम्स समाचार पत्र की ओर से आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

राज किशोर
Shubham
M. : 9716684469
9968124962
KISHOR PLASTIC
PLASTIC HOUSE HOLD GOODS & WHOLESALER
CHAKLA BELAN, SCRUBBER, RAT PINJRA, BRUSH, WIPER STEEL & PLASTIC GOODS ETC. IN ALL VERITIES
A-395, STREET NO. 11, MAHAVIR ENCLAVE, PART-II, NEW DELHI -59

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Madhur Courier Services
DEV RAJ (Prop.)
8178756247
8882565547
7053336878
SHIYA CARGO INTERNATIONAL
Domestic/Intl. Air Cargo & Door To Door Services
H.O.: 319/2, Badam Singh Market, Near Redission Hotel, Rangpuri, N. D.-37
B.O. : D2-209, Jeewan Park, Uttam Nagar, New Delhi-59
E-mail : shiyacargointernational@gmail.com, rajdev@gmail.com
Website : www.madhurcouriers.in

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
JAGGU TEA SHOP

C-26, Jeewan Park, Pankha Road, Uttamnagar, New Delhi-59
Near Jeewan Park Bus Stand.
Mob : 7289933532

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

LIC
M. : 9990125183
VIKAS DUBEY
(Insurance Advisor)
BRANCH - 128
भारतीय जीवन बीमा निगम
कहती है हाथों की जोड़ी, बचत कर लो थोड़ी थोड़ी
P. Office : Shop -29, Community Centre Janakpuri (Near Janak Cinema) New Delhi-110058
Email : vikaskdubey83@gmail.com

सम्पादकीय

क्या ऐसा करके हम अपने जीवन की आदर्श आचार संहिता के साथ खिलवाड़ तो नहीं कर रहे हैं?

राष्ट्रीय भावना को जगाने वाले त्यौहारों के आगमन से पूर्व हमारे दिलों में स्वाभाविक तौर पर देश भाव का प्रकटीकरण होने लगता है। जरा याद कीजिए अपने बचपन के दिनों को, प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करते समय इन राष्ट्रीय त्यौहारों पर भावनाओं का जिस प्रकार से ज्वार उमड़ता था, वह बाल मन के हृदय पर अंकित राष्ट्रीय भावों की लहरनुमा अभिव्यक्ति ही थी। वर्तमान में हम देखते हैं कि हमारे राष्ट्रीय पर्व केवल एक दिन के त्यौहार बनकर रह गए हैं। अब कहीं भी न तो वैसे नारे लगते दिखाई देते हैं और न ही राष्ट्र के प्रति उमड़ने वाला ज्वार ही दिखाई देता है। आज हम सभी कहीं न कहीं नियमों की अवहेलना करने की ओर बढ़ते जा रहे हैं।

संवैधानिक नियमों का पालन करना हर राष्ट्र का प्राथमिक कर्तव्य होता है और यह होना भी चाहिए। जो भी राष्ट्र या व्यक्ति नियमों की परिधि में चलता है, वह राष्ट्र स्वाभाविक तौर पर मजबूत राष्ट्र की श्रेणी में ही गिना जाता है, लेकिन जहां भी राष्ट्रीय संवैधानिक शक्तियों का दुरुपयोग करने का खेल खेला जाता है, वह अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही कृत्य करने की ओर प्रवृत होता है। हमारे देश में संवैधानिक परिधियों का अपने-अपने हिसाब से लाभ लेने का प्रयास किया जाता रहा है। जबकि यह नहीं होना चाहिए। ऐसे करके हम अपने देश के संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ने का काम ही करते हैं। सवाल यह है कि क्या ऐसा करके हम अपने जीवन की आदर्श आचार संहिता के साथ खिलवाड़ तो नहीं कर रहे हैं? अगर ऐसा है तो यह किसी भी दृष्टिकोण से ठीक नहीं है। जिस प्रकार से जीवन को चलाने के लिए एक दिनचर्या होती है, ठीक उसी प्रकार हमारे राष्ट्रीय कर्तव्य भी हैं। उसे भी एक बार जीना चाहिए, क्योंकि यह देश भी तो अपना ही है। यह सर्वसम्मत सत्य है कि हमारी न्यायपालिका सत्य का अनुसंधान कर किसी परिणति पर पहुंचती है। फिर भी यह दिखाई देता है कि अनुकूल निर्णय को हम सहर्ष स्वीकार करने की मुद्रा में दिखाई देते हैं, लेकिन अगर किसी कारण से न्यायालय का निर्णय प्रतिकूल आता है तो हम न्यायालय के निर्णय को भी शंका की दृष्टि से देखने लगते हैं। कभी कभी तो न्यायालय के निर्णयों को राजनीतिक लाभ हानि के दृष्टिकोण से भी देखा जाता है। हमें याद ही होगा वह प्रकरण जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शाहबानो के तलाक मामले में अभूतपूर्व निर्णय सुनाते हुए न्याय दिला दिया। शाहबानो न्यायालय से विजयी हो गई, लेकिन राजनीतिक सत्ता ने एक बार फिर उसे पराजित कर दिया। इसमें यही कहा गया कि उस समय की केन्द्र सरकार मुस्लिम कट्टरपंथियों के सामने हार गई। सरकार द्वारा न्यायालय के निर्णय को बदल देने के इस कार्य को पूरी तरह से राजनीतिक दृष्टि से देखा गया। सरकार ने एक वर्ग को प्रसन्न करने के लिए न्यायालय के निर्णय को ही बदल दिया। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकारों ने अपने ही संविधान की शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक लाभ लिया। इसी प्रकार तीन तलाक वाले मामले को भी राजनीतिक हितों से देखा जा रहा है, जबकि यह निर्णय महिला उत्पीड़न को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया एक सकारात्मक कदम ही है। आज हम सभी संविधान की रक्षा करने की कसम तो खाते हैं, लेकिन हम अपना विचार करें कि क्या हम वास्तव में नियमों का पूरी तरह से पालन करते दिखाई देते हैं? हम मर्यादाओं को तोड़ने के लिए कदम क्यों बढ़ा रहे हैं? जब हम छोटे से नियम का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं तो फिर बड़े नियम के पालन की अपेक्षा कैसे की जा सकती है। हमने देखा ही होगा कि केन्द्र सरकार स्वच्छ भारत अभियान चलाने के लिए तमाम प्रकार के नियम बना रही है, इतना ही नहीं इस अभियान को सफलता पूर्वक संचालित करने के लिए पूरा जोर भी लगा रही है, लेकिन हमारा समाज कहीं न कहीं इस अभियान को ही धता बताने का काम कर रहा है। इसी प्रकार यातायात के नियमों का पालन करने के लिए हर चौराहे पर यातायात पुलिस कर्मी खड़े रहते हैं, लेकिन हम जागरूक होते हुए भी इन नियमों का स्वयं पालन करने के लिए पहल नहीं करते। इसका मतलब यह भी है कि हमारे पीछे कोई डंडा लेकर खड़ा हो जाए तो ही हम कुछ पालन करने की मुद्रा में आते हैं। यह विसंगति नहीं तो क्या है कि हमें पालन कराने वाला भी कोई होना चाहिए। हमें यह भी ज्ञात होगा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्रीय मर्यादाओं को भी चकनाचूर किया जाता है। भारत के मानबिन्दुओं के शाश्वत नियमों को तोड़ने का काम किया जाता है। अभी हाल ही में सबरीमाला प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद महिलाओं में मंदिर में प्रवेश करने के लिए मंदिर के नियमों को तोड़ने का दुस्साहस किया। हालांकि न्यायालय ने ही ऐसा करने के लिए प्रवृत किया था, लेकिन कुछ धार्मिक मान्यताएं भी होती हैं और उन मान्यताओं का पालन करना समाज की जिम्मेदारी भी है, लेकिन जब कोई नियम तोड़ने का निर्णय आता है तो हमारी सक्रियता बढ़ जाती है। बड़ा सवाल यह है कि ऐसी सक्रियता नियम का पालन करने के लिए क्यों नहीं होती।

माँ और पापा की लाडली

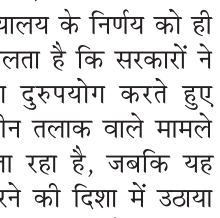

किरण मल्होत्रा

जब मैं पैदा हुई तो कितनी नादान थी।
इस दुनिया की हर बात से अंजान थी।।
चिल्लाना और रोना ही मुझे आता था।
माँ की गोद और पापा का मुस्कुराता
हुआ चेहरा ही मुझे आता था।।
मम्मी पापा के प्यार में मैं इतना खोती गई।
कि पता ही नही चला कब जवान हो गई।।
जब भी रात को नींद में मैं डर जाती थी,
तो गले लगाकर सहारा दिया था आपने।
मेरी हर एक डूबती हुई नाव को किनारा दिया था आपने।।
जब भी रूठती थी तो आप झट से मना जाते थे।
मुझे रोता हुआ देखकर आपके आँखों मे से आँसू आ जाते थे।
शादी करके दुल्हन का जोड़ा पहनने को तो मेरा भी दिल करता है।
पर माँ पापा से दूर जाने से दिल डरता है।।
हाथ पकड़ कर चलना सिखाया है आपने।
आँखे तो मेरी है पर सपने देखना सिखाया है आपने।।
अगर न होती ये रीति लड़कियों के
ससुराल जाने की तो पूरी जिंदगी रहलू आपके साथ।
पर अगर चली भी गई तो मेरे सर पर हमेशा रखना अपना हाथ।।

सिर्फ सरकार से जवाब नहीं मांगें, अपनी जिम्मेदारी भी निभाएं, सही व्यक्ति को चुनें

सुरेश हिन्दुस्थानी

विश्व के सभी देशों में उसके नागरिकों के मन में अपने देश के प्रति असीम प्यार की भावना समाहित रहती है। यही भावना उस देश की मतबूती का आधार भी होता है। जिस देश में यह भाव समाप्त हो जाता है, उसके बारे में कहा जा सकता है कि वह देश या तो मृत प्राय: है या समाप्त होने की ओर कदम बढ़ा चुका है। हम यह भी जानते हैं कि जो देश वर्तमान के मोहजाल में अपने स्वर्णिम अतीत को विस्मृत कर देता है, उसका अपना खुद का कोई अस्तित्व नहीं रहता। इसलिए प्रत्येक देश के नागरिक को कम से कम अपने देश के बारे में मन से जुड़ाव रखना चाहिए। इजराइल के बारे में कहा जाता है कि वहां का प्रत्येक नागरिक अपने लिए तो जीता ही है, लेकिन सबसे पहले अपने देश के लिए जीता है। इजराइल में हर व्यक्ति के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि देश के हिसाब से अपने आपको तैयार करे। इजराइल का हर व्यक्ति एक सैनिक है, उसे सैनिक का पूरा प्रशिक्षण लेना भी अनिवार्य है। यह उदाहरण एक जिम्मेदार नागरिक होने का बोध कराता है। इसी प्रकार विश्व के सभी देशों में राजनीतिक नजरिया केवल देश हित की बात को ही प्राथमिकता देता हुआ दिखाई देता है। वहां देश के काम को प्राथमिकता के तौर पर लिया जाता है। अपने स्वयं के काम को बाद में स्थान दिया जाता है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश माना जाता है। यहां के राजनेता मात्र जनता के प्रतिनिधि होते हैं। ऐसे में जनता को भी यह समझना चाहिए कि हम ही भारत की असली सरकार हैं। असली सरकार होने के मायने निकाले जाएं तो यह प्रमाणित होता है कि राजनेताओं से अधिक यहां जनता की जिम्मेदारियां कुछ ज्यादा ही हैं। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ यही है कि जनता को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। अगर जनता सजग और सक्रिय नहीं रही तो राजनेता देश का क्या कर सकते हैं, यह हम सभी के सामने है।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जिस परिवर्तन की प्रतीक्षा की जा रही थी, उसके बारे में उस समय के नेताओं ने भी गंभीरता पूर्वक चिन्तन किया, लेकिन देश में कुछ राजनेता ऐसे भी हुए जो केवल दिखावे के लिए भारतीय थे, परंतु उनकी मानसिकता पूरी तरह से अंग्रेजों की नीतियों का ही समर्थन करती हुई दिखाई देती थीं। अंग्रेजों का एक ही सिद्धांत रहा कि भारतीय समाज में फूट डालो और राज करो। वर्तमान में भारतीय राजनीति का भी कमोवेश यही चरित्र दिखाई देता है। आज भारतीय समाज में आपस में जो विरोधाभास दिखाई देता है, उसके पीछे केवल अंग्रेजों की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। इस सबके लिए हम भी कहीं न कहीं दोषी हैं। हमने अपने अंदर की भारतीयता को समाप्त कर दिया। स्व-केन्द्रित जीवन जीने की चाहत में हमने देश हित का त्याग कर दिया। वर्तमान में भारतीय समाज में केवल पैसे को प्रधानता देने का व्यवहार दिखाई देता है। हमें यह बात समझना चाहिए कि केवल पैसा ही सब कुछ नहीं होता, जबकि आज केवल पैसा ही सब कुछ माना जा रहा है। इस सबके पीछे कहीं न कहीं हमारी शिक्षा पद्धति का भी दोष है। जहां केवल किताबी ज्ञान तो मिल जाता है, लेकिन

भारतीयता क्या है, इसका बोध नहीं कराया जाता। इसके लिए एक बड़ा ही शानदार उदाहरण है, जो मेरे साथ हुआ। मैं एक बार जिज्ञासा लिए कुछ परिवारों में गया। उस परिवार के बालकों से प्राय: एक ही सवाल पूछा कि आप बड़े होकर क्या बनना चाहोगे।

इसके जवाब में अधिकतर बच्चों ने मिलते जुलते उत्तर दिए। किसी ने कहा कि मैं चिकित्सक बनूंगा तो किसी ने इंजीनियर बनने की इच्छा बताई। इसके बाद मैंने पूछा कि यह बनकर क्या करोगे तो उन्होंने कहा कि मैं खूब पैसे कमाऊंगा। लेकिन एक परिवार ऐसा भी था, जहां बच्चे के उत्तर को सुनकर मेरा मन प्रफुल्लित हो गया। उस बच्चे ने कहा कि मैं पहले देश भक्त बनूंगा और बाद में कोई और। मैं कमाई भी करूंगा तो देश के लिए और इसके लिए लोगों को भी प्रेरणा दूंगा कि आप भी देश के लिए कुछ काम करें। एक छोटे से बालक का यह चिन्तन वास्तव में जिम्मेदारी का अहसास कराता है। लेकिन क्या हम केवल एक बालक की सोच के आधार पर ही मजबूत देश का ताना बाना बुन सकते हैं। कदाचित नहीं। हम सभी को यह सोचना चाहिए कि हम जो भी काम कर रहे हैं, उससे मेरे अपने देश का कितना भला हो रहा है।

हमारा देश लोकतांत्रिक है। इस नाते इस देश के लोक को ही देश बनाने की जिम्मेदारी का निर्वाह करना होगा। देश में होने वाले चुनावों में हमारी भूमिका क्या होनी चाहिए, इसका गंभीरता से चिन्तन भी करना चाहिए। हम जैसा देश बनाना चाहते हैं, वैसे ही उम्मीदवारों को प्रतिनिधि के तौर पर चुनना हमारा नैतिक कर्तव्य है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। मतदान करना हमारा नैतिक कर्तव्य है आप सभी अपना मतदान करें और सही सरकार चुनें ताकि देश भ्रष्टाचार रहित हो। भारत देश का एक इतिहास है कि आम लोगों में से ही कुछ लोग ही अपना मतदान करते हैं। पढ़े लिखे नागरिक संपन्न लोग मतदान करना ही नहीं चाहते हैं। इनके मतदान नहीं करने से ही देश में भ्रष्टाचार का जन्म होता है। अनपढ़ नागरिक अपना काम देहाड़ी छोड़ कर आते हैं और मतदान करते हैं। हाँ यह जरूर है कि इनको नहीं पता की सही उम्मीदवार को वोट दिया है या गलत, इन्हें बस इतना पता होता है कि हम ने वोट दिया है। हमको मतदान करते समय इस बात का ध्यान रखना बहुत आवश्यक है कि हम अपने लिए सरकार बनाने जा रहे हैं।

इसलिए स्वच्छ छवि वाले और देश हित में काम करने वाली सरकार को बनाना भी हम सबका नैतिक कर्तव्य है। देश में राजनीति के प्रति लोगों की उदासीनता को देखते हुए देश में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाये जाने का संकल्प लिया गया है। पर क्या मात्र इस कदम से देश में मतदाताओं में कोई जागरूकता आने वाली है ?

शायद नहीं क्योंकि हम भारत के लोग कभी भी किसी बात को संजीदगी से तब तक नहीं लेते हैं जब तक पानी सर से ऊपर नहीं हो जाता है। आज के समय में हर व्यक्ति सरकारों को कोसते हुए मिल जायेगा, पर जब सरकार चुनने का समय आता है तो हम घरों में कैद होकर रह जाते हैं। आज अगर कहीं पर कोई अनियमितता है तो वह केवल इसलिए है कि हम उसके प्रति उदासीन हैं। अगर हम अपने मतदान का प्रयोग करना सीख जाएँ तो समाज से खराब लोगों का चुन कर आना काफी हद तक कम हो सकता है। वास्तव में आज देश के मतदाताओं के लिए मतदान अनिवार्य किया जाना चाहिए। बिना किसी ठोस कारण के कोई मतदान नहीं करें तो उसे दंड देना चाहिए और संभव हो तो उसका मताधिकार भी छीन लेना चाहिए।

जिनके दर पर देते थे बड़े-बड़े दस्तक अब वह खड़े हैं दूसरों की चौखट पर

अजय कुमार

एक दौर था, जब नेहरू-गांधी परिवार की चौखट पर सियासत के बड़े-बड़े सूरमा माथा टेका करते थे। यहां तक कहा जाता था कि इस परिवार में कभी आम बच्चा नहीं, प्रधानमंत्री पैदा होता है। देश की राजनीतिक सोच यहीं से पलती-बढ़ती थी। करीब पांच दशकों तक अपवाद को छोड़कर इस परिवार को कभी कोई गंभीर चुनौती नहीं दे पाया, जिसने इस परिवार को आंख दिखाने का दुस्साहस भी उसका वजूद मिट गया। उसे पार्टी से धक्का मारकर निकला दिया जाता। पूरी दुनिया में यह इकलौता परिवार होगा, जिसने देश को तीन-तीन प्रधानमंत्री दिए। इस परिवार के बिना कांग्रेस की हालात पतली हो जाती है। इस बात का अहसास तब हुआ जब राजीव गांधी की मौत के बाद सोनिया गांधी ने राजनीति में आने से इंकार कर दिया। कांग्रेस रसातल में जाने लगी। पार्टी में झगड़ा होने लगा। इस स्थिति में तभी बदलाव आया जब सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। नेहरू-गांधी परिवार की सियासी जड़ें बेहद मजबूत थीं, यह परिवार देश की जनता की नब्ज जानता था। इसी के बल पर इस परिवार ने करीब छह दशकों तक देश पर राज किया। **2004** से लेकर **2014** तक प्रधानमंत्री की कुर्सी पर भले ही मनमोहन सिंह विराजमान रहे हों, लेकिन सत्ता का केन्द्र दस जनपथ (सोनिया गांधी का घर) ही हुआ करता था। यहां तक कहा जाता था कि दस जनपथ से समानांतर सरकार चला करती थी। कांग्रेस अध्यक्ष और यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी भले ही विदेशी मूल की महिला रहीं हों, लेकिन सियासी रूप से उनका कद देश के तमाम नेताओं से काफी ऊंचा रहा। कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका **2014** के लोकसभा चुनाव में बीजेपी यानी आज के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिया। मोदी लहर के चलते कांग्रेस इतिहास के सबसे कमजोर मुकाम पर पहुंच गई। उसे मात्र 44 सीटें मिलीं। बीमारी के चलते सोनिया गांधी धीरे-धीरे अपनी सियासी जिम्मेदारी अपने पुत्र राहुल गांधी के कंधों पर डालती जा रही थीं। राहुल गांधी को सोनिया की जगह पार्टी का अध्यक्ष भी बना दिया गया, लेकिन राहुल गांधी न तो अपने परिवार की सियासी विरासत बचा पाए, न ही राजनीति में अपनी जड़ें जमा पाए। कांग्रेस एक के बाद एक राज्य हारती गई। राहुल गांधी की काबलियत पर प्रश्न चिन्ह लगने लगे। तमाम दलों के नेता जो अपनी राजनीति चमकाने के लिए कांग्रेस की बैसाखी का सहारा लेते थे, उन्होंने कांग्रेस से किनारा करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं इन दलों के सूरमाओं ने कांग्रेस की सियासी जमीन भी हड़प ली।

उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो यहां बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस के दलित वोट बैंक में सेंधमारी कर ली तो समाजवादी पार्टी के मुखिया मुलायम सिंह यादव ने अयोध्या विवाद के समय मुसलमान से हमदर्दी दिखाकर उनको अपने पाले में खींच लिया। उधर, कमंडल की राजनीति के बाद हिन्दुओं ने कांग्रेस को ठेंगा दिखाते हुए बीजेपी का दामन थामना शुरू कर दिया। कांग्रेस की सियासी जमीन खिसकती जा रही थी, लेकिन कांग्रेस के कर्णधार राहुल गांधी बेफ्रिक नजर आ रहे थे। वह अनमने ढंग से सियासत कर रहे थे। उनकी सियासत में गंभीरता का अभाव था। तमाम खास मौकों पर वह बिना बताए देश से बाहर चले जाते। राहुल की काबलियत पर प्रश्न चिन्ह लगने लगे तो उनकी कमजोरी को भांप कर पार्टी के तमाम नेता प्रियंका गांधी को सियासत में लाने की मांग करने लगे। परंतु सोनिया गांधी ने ऐसी किसी मांग को तरजीह नहीं दी। राहुल की नाकामयाबी का सिलसिला पिछले वर्ष मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों में चुनाव से पूर्व तक चलता रहा था, लेकिन पिछले वर्ष के अंत में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हुए चुनाव में बीजेपी सरकार को उखाड़ कर कांग्रेस की सरकार बनी तो राहुल गांधी की लोकप्रियता का ग्राफ भी बढ़ गया। लेकिन कहा यह भी जाने लगा कि कांग्रेस वहीं कामयाब हो सकती है जहां कोई क्षेत्रीय क्षत्रप नहीं है। यह कहते हुए ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की चर्चा होने लगी, जहां क्षेत्रीय दलों का दबदबा है।

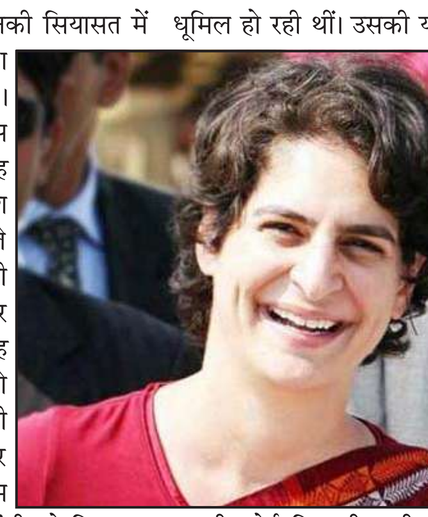

यहां के क्षेत्रीय क्षत्रपों के सहारे कांग्रेस ने अपनी नैया पार करने की काफी कोशिश की, लेकिन उसे किसी ने घास नहीं डाली। खासकर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश जहां से **80** सांसद आते हैं, वहां कांग्रेस की खस्ता हालात के चलते कांग्रेस की सत्ता में वापसी की उम्मीदें भी धूमिल हो रही थीं। उसकी यहां अपनी कोई सियासी जमीन है नहीं। पहले तो कांग्रेस ने सपा-बसपा से गलबहियां करनी चाहीं। कांग्रेस को लगता था कि सपा-बसपा से गठबंधन के सहारे उनकी सियासी जमीन पर बैटिंग करके वह यूपी में अपनी लाज बचा सकते हैं। इसके लिए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव तैयार भी हो गए, लेकिन बसपा सुप्रीमो मायावती ने अखिलेश से साफ कह दिया कि वह कांग्रेस के साथ कोई समझौता नहीं करेंगी। इसके बाद अखिलेश ने भी अपने कदम पीछे खींच लिए। मायावती-अखिलेश की सियासी चौखट से कांग्रेस की झोली में कुछ नहीं डाला गया तो कांग्रेस के दिग्गज नेतागण प्रियंका वाड्रा, ज्योतिरादित्य सिंधिया और उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राज बब्बर आदि कांग्रेसी नेताओं ने छोटे-छोटे दलों पीस पार्टी के डॉ. अयूब, प्रगतिशील समाजवादी मोर्चा के शिवपाल यादव, निषाद पार्टी के डॉ. संजय कुमार निषाद और महान दल पार्टी के नेताओं के दर पर %दस्तक% देना शुरू कर दिया। इन छोटे-छोटे दलों की सियासी विरासत के सहारे प्रियंका गांधी कांग्रेस का कितना भला कर पायेंगी, यह तो भविष्य का विषय है, लेकिन कांग्रेसियों के हौसले थमे नहीं हैं। इसीलिए तो प्रियंका गांधी गुजरात के गांधीनगर से हार्दिक पटेल, जिग्नेश मेवाणी और अल्पेश ठाकोर को अपने पाले में खींचने की कोशिशों के बाद सीधे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती भीम सेना के चन्द्रशेखर से मिलने पहुंच जाती हैं। जहां प्रियंका वाड्रा की हैसियत की चिंता किए बिना भीम सेना कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें चन्द्रशेखर के कमरे में जाने से रोक दिया था। **05 मई 2017** को महाराणा प्रताप की जयंती पर निकाली गई शोभा यात्रा में बवाल के बाद भीम सेना और उसके चीफ चन्द्रशेखर का नाम चर्चा में सामने आया था। चन्द्रशेखर को रासुका के तहत जेल में भी रखा गया था। इसी वजह से वह भाजपा और मोदी-योगी से चिढ़े हुए हैं।

गौरतलब है कि भीम सेना के चीफ चन्द्रशेखर 13 अप्रैल को देवबंद में पदयात्रा निकाल रहे थे, जिसे आचार संहिता का हवाला देते हुए जिला प्रशासन ने रोक दिया था। चन्द्रशेखर नहीं माने तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। हिरासत में ही उनकी तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बहरहाल, मेरठ के अस्पताल में पहुंची प्रियंका की करीब दस मिनट का इंतजार कराने के बाद चन्द्रशेखर से मुलाकात हो पाई। प्रियंका ने चन्द्रशेखर से भाई-बहन का रिश्ता बनाया। इस मुलाकात के दौरान सिंधिया और राज बब्बर मौजूद थे। प्रियंका राजनैतिक रोटियां सेंकने यहां आईं थी, लेकिन मीडिया के सामने वह यही रट लगाती रहीं कि वह बीमार चन्द्रशेखर को देखने आई हैं। इसलिए सियासत की बात नहीं की जाए। उधर, प्रियंका से मुलाकात के बाद चन्द्रशेखर के कांग्रेस के टिकट पर नगीना संसदीय सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा होने लगी, लेकिन चन्द्रशेखर ने अपने पत्ते नहीं खोले। वह मीडिया से यही कहते रहे कि उनके खून का एक-एक कतरा बहुजन समाज के हित में काम आएगा। उन्होंने हमेशा की तरह मायावती के प्रति वफादारी दिखाई। लोकसभा चुनाव में बसपा को पूरा समर्थन देने की बात भी कही, लेकिन पूर्व की तरह चन्द्रशेखर के प्रति मायावती के तेवर में काई नरमी नहीं आई। मायावती यही चाहती हैं कि यदि चन्द्रशेखर उनके प्रति वफादार हैं तो बसपा में शामिल हो जाएं, तभी आगे बात हो सकती है। मायावती को लगता है कि चन्द्रशेखर अगर कांग्रेस के साथ चले जाते हैं तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दलित वोटों में बिखराव हो सकता है। पश्चिमी यूपी में मायावती की हमेशा अच्छी पकड़ रही है। वह नुकसान से डरी हुई हैं। लब्बोलुआब यह है कि जिस नेहरू-गांधी परिवार के दर पर बड़े-बड़े दस्तक दिया करते थे, उसकी ही चौथी पीढ़ी के नेता अब अपनी सियासी जमीन बचाने के लिए दूसरों के दरवाजे खटखटा रही है।

डेढ़ लाख वेलनेस सेंटर पर होगा गरीबों का इलाज : अश्वनी चौबे

राज्य ब्यूरो, पटना

देशभर के डेढ़ लाख वेलनेस सेंटरों पर आधी आबादी का इलाज बेहतर तरीके से किया जाएगा। सूबे में 534 वेलनेस सेंटर तैयार किये जा रहे हैं। इन सेंटरों पर मरीजों को 12 तरह की चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। ये बातें शनिवार को बिहार आर्थोपेडिक एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में केंद्रीय मंत्री अश्वनी कुमार चौबे ने समारोह का उद्घाटन करते हुए कहीं।

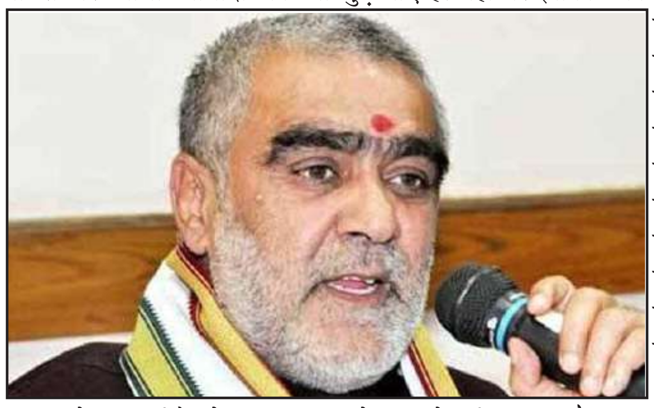

मंत्री ने कहा कि 1500 हॉस्पिटल देशभर में आयुष्मान योजना से जुड़े हैं। लेकिन बिहार में अब तक मात्र 15 निजी हॉस्पिटल ही आयुष्मान योजना से जुड़ पाए हैं। यहां पर इसकी गति तेज करने की जरूरत है। अब कोई भी मरीज देश के बड़े-बड़े अस्पतालों में अपना इलाज करा सकता है। इस योजना का लाभ देश के 60 करोड़ लोगों को मिल रहा है। योजना की शुरुआत एक माह पहले की गई थी।

मंत्री ने कहा कि देशभर में 75 सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल खोलने की तैयारी चल रही है। बिहार में कुल पांच सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल खोलने की तैयारी है। इन हॉस्पिटलों में गरीब जनता का इलाज आसानी से होगा। अब बिहार के मरीजों को इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सेमिनार में साउथ अफ्रीका से आए डॉ. जॉन ने कहा कि सही समय पर लोगों का घुटना प्रत्यारोपण होना चाहिए। अगर देर से घुटना प्रत्यारोपण होता है तो मरीज को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा डॉक्टरों को भी काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। एक बार घुटने की हड्डी एवं मांसपेशी खराब हो जाती है तो, उसे समय पर नहीं बदलने के कारण विकृति आने लगती है। धीरे-धीरे पैरों में विकृति बढ़ती जाती है। इस अवसर पर डॉ. आशीष ने लाइव सर्जरी की। मौके पर आए लोगों को धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आरएन सिंह ने किया। समारोह में डॉ. अमूल्य कुमार सिंह, डॉ. राजीव आनंद, डॉ. राकेश चौधरी, डॉ. वीपी सिंह सहित कई लोगों ने भाग लिया।

उच्च जातियों में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण मिलना चाहिए : अठावले

राज्य ब्यूरो, पटना

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले ने उच्च जातियों में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण दिये जाने की मांग करते हुए गुरुवार को कहा कि इस आशय का प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष राजग की बैठक के दौरान रखा गया है तथा संसद में भी इस मुद्दे को उठाया जाता रहा है।

बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 131वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को एस के मेमोरियल हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अठावले ने कहा कि उच्च जातियों में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण मिलना चाहिए। इस आशय का प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष राजग की बैठक के दौरान रखा है गया तथा संसद में भी इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। उन्होंने मंच पर मौजूद केंद्रीय विधि मंत्री रविशंकर प्रसाद का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में मराठा, गुजरात में पटेल और हरियाणा के जाट समुदाय भी आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उसके लिए एक विकल्प यह है कि उच्चतम न्यायालय के 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण का प्रावधान नहीं किए जाने को ध्यान में रखते हुए और दलित, आदिवासी और ओबीसी के लिए आरक्षण के 50 प्रतिशत के प्रावधान के साथ छेड़छाड़ किए बिना बाकी बचे 50 प्रतिशत में से 25 प्रतिशत उच्च जाति में आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए आरक्षित किये जाने के लिए संसद में कानून बनाया जाए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय विधि मंत्री रविशंकर प्रसाद ने अठावले की मांग पर हालांकि अपने संबोधन में कोई आश्वासन नहीं दिया। रविशंकर ने कांग्रेस द्वारा हाल में मनायी गयी श्रीकृष्ण सिंह (श्रीबाबू) की जयंती की ओर इशारा करते हुए कहा कि उनके जैसे महान व्यक्ति की जयंती को राजनीति का अवसर नहीं बनाया जाना चाहिए जो कि कुछ दिन पहले पटना में दिखायी पड़ा। उन्होंने महागठबंधन में शामिल कांग्रेस और प्रदेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी राजद की ओर इशारा करते हुए कहा कि श्रीबाबू ने बिहार को सुशासन के मामले में ऊंचाई पर पहुंचाया था, लेकिन आज जो लोग उनकी जयंती मना रहे हैं, वे इस प्रदेश को बर्बाद करने वाले दल के साथ क्यों खड़े हो गए। इसका जवाब उन्हें देना होगा। केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि देश में जो सुशासन की बात कही जाती है, वह श्रीबाबू के मुख्यमंत्रित्व काल के लिए सबसे पहले इस्तेमाल किया गया था। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने आरोप लगाया कि श्री कृष्ण बाबू की कांग्रेस के दौर में बिहार में उद्योग-धंधे स्थापित हुए और विकास हुआ जबकि लालू कांग्रेस के दौरान एक-एक कर सभी बंद हुए। आज की कांग्रेस को तो श्री कृष्ण बाबू का नाम लेने का भी नैतिक अधिकार नहीं है। 15 साल के जंगल राज के दौरान बिहार की बर्बादी के लिए राजद के साथ कांग्रेस भी जिम्मेवार है। कार्यक्रम को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नित्यानंद राय, बिहार के भाजपा से कई मंत्री और सांसदों और विधायकों ने भी संबोधित किया।

दिघवारा में डेंगू से डेढ़ दर्जन लोग पीड़ित

संवाददाता, दिघवारा

क्षेत्र में डेंगू ने पांव पसारना शुरू कर दिया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग बेपरवाह बना है। अभी तक यह शहरी क्षेत्रों तक सीमित था परंतु अब यह ग्रामीण इलाकों में भी फैलने लगा हैं। दिघवारा सामुदायिक अस्पताल में डेंगू का टेस्ट नहीं हो रहा है और न ही इस बीमारी से पीड़ित मरीजों को लिए बेड ही सुरक्षित रखा गया है। लोग दहशत के बीच जी रहे हैं।

दघवारा सहित सीमावर्ती प्रखंडों के डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों के डेंगू से पीड़ित होने की बात सामने आई है। उनका इलाज हाजीपुर, छपरा व पटना के निजी अस्पतालों में चल रहा है। जिन क्षेत्रों में डेंगू के मरीज मिले हैं उनमें नगर पंचायत दिघवारा के राईपट्टी व आंबेडकर चौक के चार मरीज डेंगू पीड़ित हैं। आमी व फकुली में भी डेंगू के मरीज की शिनाख्त हुई है। इसके अलावा सीमावर्ती प्रखंडों के मौजमपुर, मुस्सेपुर व सुल्तानपुर आदि गांवों में भी इस बीमारी के मरीज मिले हैं। सरकारी अस्पतालों के प्रभारियों का कहना है कि अस्पताल में डेंगू से निपटने की पूरी व्यवस्था है। मगर मरीजों के परिजन अस्पताल के दावे की पोल खोल रहे है। परिजनों का आरोप है कि डेंगू का नाम सुनते ही डॉक्टर मरीजों को हाजीपुर व पटना रेफर कर देते हैं। जिन मरीजों की डेंगू मरीज के रूप में पहचान हुई है उनमें दिघवारा आंबेडकर चौक के 17 वर्षीय मनीष कुमार पंडित, प्रभु राय की पत्नी, 22 वर्षीय अमित कुमार, राईपट्टी के गोलू कुमार, आमी के अभय कुमार, अवतारनगर के 27 वर्षीय मो रुस्तम, मोजमपुर के 55 वर्षीय अखिलेश राय, मुस्सेपुर के 26 वर्षीय प्रभात कुमार, सुल्तानपुर के 28 वर्षीय रहमत हसन शामिल हैं। सरकारी अस्पतालों में जांच की उचित व भरोसेमंद व्यवस्था नहीं होने के कारण मरीज निजी अस्पतालों का रुख कर रहे हैं। इसमें उन्हें काफी पैसे भी देने पड़ रहे हैं।

इस बाबत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी डॉ. रोशन कुमार ने बताया कि अस्पताल में आने वाले किसी भी मरीज को पहचान डेंगू मरीज के रूप में नहीं हुई है। डेंगू की जांच के लिए पांच किट के साथ इलाज व सुविधा भी उपलब्ध है।

गैरेज में ताला तोड़कर साढ़े चार लाख की चोरी

संवाददाता, सिवान

मैरवा धाम के निकट एक गैरेज में शुक्रवार की रात ताला तोड़कर नकद राशि समेत साढ़े चार लाख की चोरी कर ली गई है। इस संदर्भ में गैरेज मालिक ने मैरवा थाना में आवेदन दिया है। पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही है। बताते हैं कि मैरवा नगर पंचायत क्षेत्र के हरपुर निवासी मोहम्मदीन अंसारी शनिवार की सुबह जब मैरवा धाम के पेट्रोल पंप के निकट स्थित अपना गैरेज दुकान खोलने पहुंचे तो ताला टूटा हुआ पाया। जब वे दुकान के अंदर गए तो सामान बिखरा हुआ था। यह देखकर उनके होश उड़ गए। उनके मुताबिक दुकान में रखे एक लाख 55 हजार रुपये दो लैपटॉप, एक कंप्यूटर, गाड़ी के औजार, मोबाइल फोन, कंप्यूटर, स्कैनर मशीन, गाड़ी के तीन बैट्री एवं कई अन्य सामान चोरी कर ली गई थी।

चार छात्रों का अपहरण कर तालिबानी अत्याचार, हैवानियत ऐसी की कांप जाए रूह

बिहार के बेगूसराय में चार छात्रों का अपहरण कर हैवानियत की गई, उन्हें निर्वस्त्र कर पीटा गया, एक-दूसरे से अप्राकृतिक यौनाचार कराया गया। शराब पिलाई गई बाद में गोली भी मार दी।

राज्य ब्यूरो, बेगूसराय

हैवानियत की यह खबर आपकी रूह कंपा देगी। हॉस्टल के मामूली विवाद से शुरू हुआ मामला चार छात्रों का अपहरण कर उनके साथ बर्बरता तक जा पहुंचा। मामला बिहार के बेगूसराय का है। पीड़ित छात्रों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। शनिवार को उनसे मिलने केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा गए। उन्होंने घटना के दोषियों के विरूद्ध स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा दिलाने की बात कही।

बेगूसराय के कुशवाहा छात्रावास के चार छात्रों के साथ अपराधियों ने जो बर्ताव किया, वह पीड़ित छात्र एफआइआर में भी नहीं लिखवा पाए। वाटर प्लांट से पानी लेने को लेकर हुए विवाद में अपराधियों ने हॉस्टल के चार छात्रों का अपहरण कर तालिबानी अंदाज में प्रताड़ित किया। घटना का राज तो तब खुला, जब एक आरोपित पकड़ा गया। उसने पूछताछ में जो खुलासा किया, उसे जानकर पुलिस के भी होश उड़ गए।

नर्वस्त्र कर पीटा, कराया अप्राकृतिक यौनाचार

अपराधियों ने सरेआम नगर थाना क्षेत्र के काली स्थान चौक के समीप से बुधवार की सुबह कुशवाहा छात्रावास के चार छात्रों को अगवा कर लिया। फिर, बेगूसराय मंडल कारा के पीछे ले जाकर उन्हें निर्वस्त्र कर बुरी तरह पीटा और चारों छात्रों से लाठी के बल पर एक-दूसरे के साथ अप्राकृतिक यौनाचार करवाया।

शराब पिलाई, छोड़ने के पहले मार दी गोली

चारों को शराब पिलाई गई तथा हथियार देकर चैन स्नैचिंग की घटनाओं में उनसे संलिप्तता कबूल करवाई गई। इसके बाद चारों के पैर में गोली मार कर छोड़ दिया।

हथियार के बल पर घंटों किया अत्याचार

चारों छात्रों ने बताया कि अपराधियों ने बुधवार को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक हथियार के बल पर उनपर अत्याचार किया था। हथियार के डर से वे अत्याचार सहते रहे। अपराधियों की संख्या दो दर्जन से अधिक थी।

अपराधियों ने उन्हें यह कहते हुए छोड़ा कि अगर घटना का किसी के सामने जिक्र किया तो वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। अपराधियों ने वीडियो वायरल कर भी दिया। इसमें किसी भी अपराधी का चेहरा नहीं दिख रहा है, लेकिन चारों छात्रों पर किए गए जुल्म दिख रहे हैं।

ऐसे खुला घटना का राज

मामले को महज मामूली मारपीट की घटना करार दे पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया, लेकिन मुख्य आरोपी व पोखरिया वार्ड नंबर 38 निवासी प्रमोद सिंह के पुत्र वाटर प्लांट संचालक गोलू कुमार की जब गिरफ्तारी हुई और घटना का वीडियो सामने आया तो पुलिस के होश उड़ गए। इसके बाद पुलिस ने दो दिनों में सात आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गोलू कुमार के अलावा अजय कुमार, विनोद कुमार, राजा कुमार, रोहित कुमार, गणेश कुमार व राहुल कुमार को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

स्पीडी ट्रायल चला दिलाएंगे सजा

पीड़ित छात्रों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। वहां उनसे मिलने शनिवार को केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि घटना के आरोपितों के विरूद्ध स्पीडी ट्रायल चलाकर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी। इस घटना को ले के मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे। तीन महीने के अंदर इस मामले की जांच पूरी होगी।

पुलिस ने अपहृत युवती को किया बरामद, परिजनों का अस्पताल में हंगामा

संवाददाता, सिवान

भगवानपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से 19 अक्टूबर को अपहृत युवती को शनिवार को स्थानीय पुलिस ने एकमा थाना क्षेत्र के परसागढ़ से बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस ने युवती को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल में लाया। जहां उसके साथ पहुंचे परिजनों ने आरोपित के गिरफ्तारी को ले हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ गई। इसकी सूचना मिलते ही परिसर में पहुंचे पुलिस पदाधिकारियों ने मामले को शांत कराया।

बता दें कि भगवानपुर थानाक्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति ने 19 अक्टूबर को अपनी 17 वर्षीय पोती के अपहरण का मामला दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने सीतामढ़ी के मेजरगंज निवासी रविशंकर रस्तोगी के नंदन कुमार रस्तोगी व उसके मामा विनोद प्रसाद रस्तोगी, राजू प्रसाद रस्तोगी, पप्पू प्रसाद रस्तोगी व मेमेरे भाई अमर रस्तोगी व कृष्णा रस्तोगी के संलिप्त होने की बात कही थी। अपहृत युवती के पिता ने घटना के संबंध में बताया कि नवरात्र के सप्तमी यानी 16 अक्टूबर की शाम मुख्य आरोपित नंदन रस्तोगी अपने मामा के घर आया हुआ था। 17 अक्टूबर की सुबह 6 बजे उसकी पुत्री कोछुंचग करने गई थी। दो घंटे बाद जब वह घर नहीं लौटी तो परिवार वाले परेशान होकर काफी खोजबीन करने लगे।

इस मामले में अपहृत युवती के पिता ने एसपी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई। शनिवार को पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया। मामले में थानाध्यक्ष राकेश मोहन ने बताया कि युवती को बरामद कर उसका मेडिकल जांच कराया गया है। सोमवार को न्यायालय में युवती का 164 का बयान दर्ज कराया जाएगा। मामले में मुख्य आरोपित की तलाश जारी है।

डाउन वैशाली से जंक्शन पर निरीक्षण को पहुंचे आइजी

संवाददाता, सिवान

पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के मुख्य सुरक्षा आयुक्त राम राम ने जंक्शन का निरीक्षण किया। वे डाउन वैशाली में सवार होकर गोरखपुर से छपरा जाने के क्रम यहां रुके थे। इस दौरान उन्होंने जंक्शन पर पहुंचने के पूर्व वैशाली ट्रेन के जनरल कोच में पहुंच कर वहां यात्रियों से जांच पड़ताल की। निरीक्षण के दौरान एक महिला यात्री के पैर में चप्पल नहीं था तो उन्होंने इसकी सूचना सिवान आरपीएफ पोस्ट को दी और जंक्शन पर जैसे ही ट्रेन पहुंची उन्होंने महिला यात्री को चप्पल उपलब्ध कराया। इसके बाद स्लीपर कोच का निरीक्षण करते हुए एस 5 में पहुंचे। करीब 12 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर ट्रेन पहुंची तो एस 5 से उतर कर प्लेटफार्म नंबर 1 का निरीक्षण किया इसके बाद पुन: इसी ट्रेन पर सवार होकर छपरा के लिए रवाना हो गए। वहीं जंक्शन पर मौजूद यात्रियों ने आइजी द्वारा किए गए इस कार्य की तारीफ की।

ऐसी व्यवस्था करें कि मेले से लौटने वाले अच्छी स्मृति के साथ जाएं : जिलाधिकारी

संवाददाता, छपरा

विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला की तैयारी को लेकर डीएम सुब्रत कुमार सेन ने शनिवार को सोनपुर के जिला परिषद डाक बंगला में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके साथ ही मेला क्षेत्र का निरीक्षण भी किया। बैठक में डीएम ने कहा कि मेले का शानदार आयोजन करें ताकि जो भी यहां से वापस जाएं वो अच्छी स्मृति के साथ जाएं। उन्होंने मेला क्षेत्र और आसपास विद्युत की समुचित एवं सुरक्षित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। कहा कि अगर पुराना तार बदलना है तो बदल दें। नए पोल की आवश्यकता है तो लगाएं, लेकिन यह ध्यान दिया जाए कि बांस पर तार टंगा हुआ नहीं हो। डीएम ने संपूर्ण मेला क्षेत्र की साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था करने का निर्देश दिया। कहा कि सफाई कर्मियों को अलग ड्रेस दें। आस-पास के विद्यालयों में स्थाई शौचालय बनाया जाए तथा पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालय भी बनवाएं। सभी शौचालयों पर स्लोगन भी लिखा जाए तथा आकर्षक रंगरोगन किया जाए।

उन्होंने कहा कि जगह-जगह पानी का टैंकर भी लगाएं एवं जल दूत भी रखें। शॉकपीट बनाने का भी निर्देश दिया ताकि पानी इधर-उधर नहीं लगे। चिकित्सा व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त चिकित्सक की मुख्यालय से मांग करने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया। वहीं पशु चिकित्सक एवं दवा की उपलब्धता के संबंध में पशुपालन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया। डीएम ने सभी स्नान घाटों पर समुचित बैरिकेडिंग कराने, उसमें प्लास्टिक का जाम लगाने एवं गोताखोर रखने का निर्देश भी दिया। डीएम ने कहा कि मुख्यालय से दो प्लाटून एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीम भी मंगाई जाए। रेलवे से उपस्थित अधिकारी को स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा मानकों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया। एसडीओ को निर्देश दिया कि वैसे सभी स्थलों को चिह्नित कर लें जहां से पैदल रेलवे ट्रैक पार किया जा सकता है। वहां भी सुरक्षात्मक उपाय करना होगा। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि अतिरिक्त टिकट काउंटर एवं मोबाइल टिकट्टिंग की व्यवस्था की जा रही है। डीएम ने सभी पथों की मरम्मत का निर्देश दिया। मेले में लगने वाली प्रदर्शनी एवं स्टॉल की समीक्षा के क्रम में कहा गया कि सोमवार तक निदेशक, डीआरडीए के पास प्रतिवेदन दें। मेला आयोजन के लिए चयनित इवेंट मैनेजमेंट को मेला संबंधी वेबसाइट एप बनाने का निर्देश दिया। कॉफी टेबल बुक बनाने को कहा गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद के रूपरेखा की समीक्षा की गई। रामायण मंचन एवं गंगा आरती के संबंध में एसडीओ को निर्देश दिया गया। इसके बाद डीएम ने संबंधित अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। मौके पर डीडीसी रोशन कुशवाहा, एडीएम अरुण कुमार, डीआरडीए के निदेशक सुनील कुमार पांडेय, डीपीआरओ ज्ञानेश्वर प्रकाश सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

आखिर कब तक काम पर लौटेगें सफाई कर्मचारी?

दलितों की सुनवाई को अनदेखा कर रही है सरकार

बहादुरगढ़, दीपक सैनी

नगर परिषद बहादुरगढ़ के हटाये गये ठेकेदार द्वारा 94 सफाई कर्मचारियों नें 42 दिन हो गये है धरने पर बेठे हुए परन्तु आज तक सफाई कर्मचारियों को इनंसाफ नही मिल रहा प्रशासनिक अधिकारियों के पास बार बार गुहार लगानी पड़ रही है परन्तु फिर भी निरासा ही हाथ लग रही है।

धरने पर बैठे सफाईकमियों को संबोधित करते हुए नगर पालिका संघ हरियाणा के राज्य सचिव सुनील चंडालिया। (छाया : सुनील शर्मा)

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ब्लॉक बहादुरगढ़ प्रधान बिजेन्द्र सैनी नें सफाई कर्मचारियों के धरनें पर पहुँच कर कर्मचारियों को सम्बोंधित किया ओर सभी कर्मचारियों कि तरफ से अपना सर्मथन किया ओर हटाये गयें सफाई कर्मचारियों के साथ कधें से कधां मिलाकर साथ देना के लिए सभी विभागों के कर्मचारी इनके साथ है और जब तक हटायें गये 94 सफाई कर्मचारियों को ठेकेदार द्वारा कमा पर वापस नहीं लिया जाता तब तक सफाई कर्मचारियों का आन्दोलन जारी रहेगा ओर हर दिन संघ से सम्बधित विभागों के कर्मचारी इनका सर्मथन करनें धरनें स्थल पहुँचेगें ओर 94 परिवारों पर हो रहे अत्याचार पर कोई भी प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों कि तरफ कोई ध्यान नही दें रहा और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उतर प्रदेश में सफाई कर्मचारियों के पैर दौ कर सफाई कर्मचारियों को सम्मान देनी कि बात कर रहे है और हरियाणा प्रदेश के सफाई कर्मचारी अपनी रोजी रोटी के लिए धर धर बटक रहे है और दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार है फिर इस प्रकार का सफाई कर्मचारियों के साथ भेद भाव क्यों अपनाया जा रहा है और अब गरीब परिवारों को अपना घर चलानें के लिए बडी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इनकी समस्या सुनने के लिए कोई भी नेता व अधिकारी आज तक इनसे मिलनें तक नही आया है। धरनें में शामिल पार्वती, सुमन, निलम, कविता, रेनू, दिपमाला, शौभा, रिना, पुष्पा, सरोज, परकासी, कप्तान , जितेन्द्र, सोरभ, आकाश, अशोक, कृष्ण, सतीश, दिलबाग, प्रदीप, राकेश, सुनील, श्रीभगवान, विरेन्द्र, मुकेश, सुरज रामसिहँ, विक्की, गोविंदा, सजीव, थावरिया, रामब्रोसह, अनील, दीपक , राजन, अंकित, अमीत, रामेशवर, कर्मबीर, पवनजीत, अजय, श्रीओम, रवि, आदि रहें।

एसएसपी ने किया डीएसपी कार्यालय बादली का निरीक्षण

संवाददाता, झज्जर

प्रवर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार आईपीएस ने बादली क्षेत्र का दौरा किया। बादली पहुँचने पर एसडीएम बादली, डीएसपी बादली अशोक कुमार एचपीएस तथा थाना प्रबन्धक बादली निरीक्षक सोमबीर व बादली एरिया के अन्य मौजिज व्यक्तियों ने स्वागत किया। बादली दौरा के दौरान एसएसपी अशोक कुमार आईपीएस नवनिर्मित डीएसपी कार्यालय बादली पहुँचे। जहां उन्होंने डीएसपी कार्यालय बादली का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान एसएसपी अशोक कुमार आईपीएस के साथ एसडीएम बादली , डीएसपी बादली अशोक कुमार एचपीएस व थाना प्रबन्धक बादली भी मौजूद रहे। बादली दौरा के दौरान उन्होंने डीएसपी बादली के नवनिर्मित कार्यालय में की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। नवनिर्मित कार्यालय के निरीक्षण के पश्चात उन्होंने डीएसपी बादली अशोक कुमार को शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि बादली क्षेत्र में आमजन की सेवा, सुरक्षा व सुविधा के मध्येनजर बेहतर पुलिस व्यवस्था उपलब्ध कराने के उदेश्य से डीएसपी कार्यालय स्थापित किया गया है। बादली क्षेत्र के लोगो को निकटम व लगातार पुलिस सुविधा उपलब्ध कराने तथा शिकायतों पर ततपरता से कार्यवाही के लिए बादली थाना के बाद अब डीएसपी कार्यलय भी सक्रिय रहेगा।

उन्होंने थाना प्रबंधक निरीक्षक सोमवीर को थाना के रिकॉर्ड को सुरक्षित एवं तरतीब से रखने तथा थाना में साफ सफाई एवं स्वच्छता व सुंदरता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने थाना प्रबंधक व थाना में तैनात अनुसंधान अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि थाना में कोई भी कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। सभी कार्य समय अनुसार पूर्ण किए जाएं। थाना में आई किसी भी तरह की शिकायत पर तुरन्त कार्यवाही करके संबंधित अनुसंधानकर्ता को कार्यवाही के लिए सौंपा जाए कोई भी शिकायत किसी भी परिस्थिति में लंबित नहीं रहनी चाहिए। किसी भी प्रकार के महिला विरुद्ध अपराध की सूचना पर अभिलंब कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी पुलिस कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी निष्ठापूर्वक करने तथा आम जन की भलाई के लिए हमेशा तत्पर रहने के संबंध में निर्देश दिए।

हत्या के मामले का एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, झज्जर

झज्जर पुलिस की एक टीम द्वारा हत्या के मामले में गहनता से कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई है। बीते दिसम्बर को थाना सदर झज्जर एरिया के गांव दादरी तोय निवासी एक महिला की हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया गया था। हत्या की वारदात को अंजाम देने के पश्चात दोषी मौका से फरार हो गए थे। हत्या की उपरोक्त वारदात पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए थाना सदर झज्जर में दोषियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था। महिला की हत्या के मामले में थाना सदर झज्जर की टीम द्वारा मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए उपरोक्त मामले के वांछित एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर माननीय अदालत झज्जर में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। मामले की जानकारी देते हुए थाना सदर झज्जर में तैनात उप निरीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि गांव दादरी तोए निवासी एक महिला की गुमशुदगी का मामला थाना में दर्ज कराया गया था। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस द्वारा बीते फरवरी माह में लूट की योजना बनाते पकड़े गए आरोपियों ने दादरी तोए निवासी गुमशुदा उपरोक्त महिला की हत्या की वारदात का खुलासा किया था।

हत्या की उपरोक्त वारदात में शामिल एक आरोपी अमित उर्फ चूरी पुत्र रमेश निवासी ग्राम बिरधाना जो कि किसी अन्य मामले में झज्जर की दुलीना जेल में बंद था, उपरोक्त आरोपी को दादरी तोए निवासी महिला की हत्या के मामले में पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट पर लाकर माननीय अदालत झज्जर में पेश किया गया जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा करते हुए बताया कि उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दादरी तोए निवासी उपरोक्त महिला की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। महिला की हत्या करके उसके शव को मोटरसाइकिल पर ले जाकर ड्रेन नंबर 8 में डाल दिया था। पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ के पश्चात आरोपी को अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को न्यायिक हिरासत भेज दिया गया।

हंगामा करने के मामले का वांछित उदघोषित आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, झज्जर

पकड़ा गया वांछित उद्घोषित आरोपी थाना बेरी की टीम के साथ। (छाया : टाइम्स.)

झज्जर पुलिस की एक टीम द्वारा गश्त के दौरान मुस्तैदी से कारवाई करते हुए चोरी के मामले में वांछित एक उदघोषित आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की गई है। पकड़ा गया वांछित आरोपी पिछले काफी समय से पुलिस की गिरफ्त से बचते हुए फरार चल रहा था। प्रवर पुलिस अधीक्षक झज्जर अशोक कुमार द्वारा अपराधों की रोकथाम तथा वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाने के दिशा निर्देश किए गए थे। विशेष अभियान के तहत थाना बेरी की टीम ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए एक वांछित उदघोषित आरोपी को काबू करने में कामयाबी हासिल की गई।

जानकारी देते हुए थाना प्रबंधक बेरी निरीक्षक नरसिंह ने बताया कि एसएसपी श्री अशोक कुमार आईपीएस के दिशा निर्देश अनुसार वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक वांछित उदघोषित आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि थाना की एक टीम सहायक उपनिरीक्षक सतीश कुमार के नेतृत्व में थाना एरिया में मुस्तैदी के साथ गश्त पर तैनात थी। गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा शक की बिनाह पर तत्परता से कार्यवाही करके एक व्यक्ति को काबू किया गया। पकड़े गए व्यक्ति की पूछताछ में पहचान संजीत उर्फ काला पुत्र शेर सिंह निवासी गांव ढराणा जिला झज्जर के तौर पर की गई। जो झज्जर पुलिस का वर्ष 2016 में दर्ज हंगामा करने के मामले में वांछित उद्घोषित आरोपी था। उपरोक्त मामला में कार्यवाही करते हुए माननीय अदालत द्वारा आरोपी को उद्घोषित आरोपी घोषित किया गया था।

पकड़े गये वांछित उद्घोषित आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए थाना बेरी में मामला दर्ज किया गया। पकड़े गए उपरोक्त वांछित उदघोषित आरोपी को अदालत में पेश किया गया जहां से आरोपी को न्यायिक हिरासत भेज दिया गया।

नशीले पदार्थ चरस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, झज्जर

मादक पदार्थ चरस के साथ पकड़ा गया आरोपी सीआईए झज्जर की टीम के साथ। (छाया : टाइम्स.)

झज्जर पुलिस की एक टीम द्वारा मादक पदार्थ चरस के साथ एक आरोपी को काबू किया गया। मादक एवं नशीले पदार्थों के अवैध धंधे की रोकथाम तथा मादक पदार्थों की तस्करी के धंधे में लिप्त दोषियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गश्त के दौरान चरस के साथ एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की गई है। चरस के साथ पकड़े गए आरोपी के खिलाफ नशीले पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए थाना साल्हावास में मामला अंकित किया गया। मादक पदार्थ चरस के साथ आरोपी को थाना साल्हावास के एरिया से काबू किया गया। झज्जर पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा एसपी अशोक कुमार आईपीएस के दिशा निर्देशानुसार अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए मुस्तैदी के साथ विशेष सतर्कता रखी जा रही है। विशेष अभियान के तहत नशीले पदार्थो की तस्करी के अवैध धंधे की रोकथाम के लिए मुस्तैदी के साथ रखी जा रही कड़ी निगरानी व गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर कार्यवाही करके चरस के साथ एक आरोपी को काबू किया गया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार के दिशा निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए अपराध जांच शाखा झज्जर की टीम द्वारा आरोपी को तस्करी के धंधे में इस्तेमाल की जा रही ऑटो सहित काबू किया गया। मामले की जानकारी देते हुए अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष रूप से गठित की गई सीआईए झज्जर के प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि पुलिस की एक टीम थाना साल्हावास के एरिया में गश्त पर तैनात थी। सीआईए में तैनात उप निरीक्षक रामजस व सहायक उपनिरीक्षक राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम मुस्तैदी से तैनात थी। पुलिस टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को काबू किया गया। पकड़े गए व्यक्ति के पास नशीला पदार्थ चरस होने के संदेह पर नियम अनुसार डीएसपी साल्हावास को सूचित किया गया। मौके पर पहुचे डीएसपी रणबीर सिंह के समक्ष नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पकड़े गए व्यक्ति की तलाशी ली गई तो उस के कब्जे से नशीला पदार्थ चरस बरामद हुई। चरस के साथ पकड़े गए आरोपी की पूछताछ में पहचान राजविंदर उर्फ पप्पू पुत्र शेर सिंह निवासी गांव गुगोढ जिला रेवाड़ी के तौर पर की गई। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से बरामद चरस का वजन किया गया तो एक किलों 200 ग्राम पाया गया। चरस के साथ पकड़े गए उपरोक्त आरोपी के खिलाफ नशीले पदार्थ अधिनियम के तहत कारवाही करते हुए थाना साल्हावास में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि चरस के साथ पकड़े गए आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई। मादक पदार्थ चरस के साथ पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम द्वारा उसे अदालत में पेश किया गया। माननीय अदालत के आदेश अनुसार आरोपी को न्यायिक हिरासत भेज दिया गया।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग करते दो आरोपी काबू

संवाददाता, झज्जर

झज्जर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने अलग अलग स्थानों से सरेआम शराब पीकर हुड़दंग करके आमजन के लिए परेशानी में बाधा उत्पन्न करने के मामलो में कारवाही करते दो आरोपियों को काबु किया है। सरेआम सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग करते दोनों आरोपियों थाना लाइनपार बहादुरगढ़ के एरिया से काबू किया गया। थाना लाइनपार बहादुरगढ़ की अलग-अलग पुलिस टीमों ने गश्त के दौरान एक आरोपी को नाहरा नाहरी रोड तथा दूसरे को बाराही फाटक के एरिया से काबू किया। थाना लाइनपार बहादुरगढ़ में तैनात मुख्य सिपाही सुभाष की टीम ने गश्त के दौरान एक आरोपी राजेश निवासी नेताजी नगर लाइनपार को नाहरा नाहरी रोड लाइनपार बहादुरगढ़ के इलाका से सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर हुड़दंग करके आमजन को परेशान करते काबु किया। थाना में ही तैनात मुख्य सिपाही मोहित की टीम ने गश्त के दौरान एक आरोपी महेंद्र निवासी शंकर गार्डन लाइनपार बहादुरगढ़ को सरेआम सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर हुड़दंग करते बराही फाटक के पास से काबू किया गया।

जुआ खेलते नगदी सहित चार आरोपी काबू

संवाददाता, झज्जर

झज्जर पुलिस की एक टीम द्वारा गश्त के दौरान मिली गुप्त सुचना के आधार पर छापेमार कारवाही करते हुए रकम दांव पर लगाकर जुआ खेलते चार आरोपियो को नकदी सहित काबू करने में सफलता हासिल की गई है । मामले की जानकारी देते हुए सीआईए वन बहादुरगढ़ के प्रभारी निरीक्षक सज्जन सिंह ने बताया कि एसएसपी श्री अशोक कुमार द्वारा अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी चौकसी से गश्त करने तथा अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाने के कड़े निर्देश किये गए थे। एसएसपी श्री अशोक कुमार के दिशा निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए में तैनात मुख्य सिपाही देवेंद्र के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम मुस्तैदी के साथ थाना शहर बहादुरगढ़ के इलाका में गश्त पर तैनात थी। टीम को गश्त के दौरान गुप्त सुचना मिली कि चार व्यक्ति कबाड़ी मार्केट चौक के पास रकम दांव पर लगाकर सरेआम जुआ खेल रहे हैं। जिस पर पुलिस टीम ने ततपरता से मौका पर पहुँचकर पूरी सतर्कता से छापेमार कारवाही करते हुऐ सरेआम जुआ खेलते 4 आरोपियो को काबु किया। पुछताछ में पकड़े गए आरोपियो की पहचान नरेश पुत्र अर्जुन देव निवासी नयागांव रोड रणजीत कॉलोनी बहादुरगढ़, कप्तान पुत्र आजाद सिंह निवासी गांव नुना माजरा, नरेश पुत्र रणसिंह निवासी जटवाड़ा मोहल्ला बहादुरगढ़ तथा नरेश पुत्र श्री भगवान निवासी जटिया मोहल्ला बहादुरगढ़ के तौर पर की गई । पकड़े गए आरोपियों की मौका पर तलाशी ली गई तो उनके कब्जे से मौका पर कुल 17,6 रुपये नगदी सहित ताश के पत्ते बरामद किये गए । उन्होंने बताया कि रकम दाव पर लगाकर सरेआम जुआ खेलते पकड़े गए उपरोक्त चारों आरोपियो के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत कारवाही करते हुऐ थाना शहर बहादुरगढ़ में मामला दर्ज किया गया।

एसएसपी ने वाहनों की सघन जांच करने के दिए निर्देश

संवाददाता, झज्जर

नाका पर मुस्तैदी से तैनात झज्जर पुलिस की अलग-अलग टीमें। (छाया : टाइम्स.)

झज्जर जिला में कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के मद्देनजर एसएसपी अशोक कुमार द्वारा सभी थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों को विशेष नाके लगाकर वाहनों की गहनता से जांच करने के निर्देश किए गए। आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष संपन्न कराने के मद्देनजर वाहनों की गहनता से जांच करने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश किए गए हैं। एसएसपी अशोक कुमार द्वारा सभी थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों को आमजन की सुरक्षा व शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा गया है कि जिला में चिन्हित स्थानों पर कड़ी नाकाबंदी की जाए वाहनों की गहनता से जांच की जाए। किसी भी व्यक्ति को को अपने साथ किसी भी प्रकार के हथियार अथवा आपत्तिजनक वस्तु आदि ना ले जाने दिया जाए। नशीले पदार्थों के अवैध धंधे पर रोकथाम करने के लिए कठोरता से कार्रवाई की जाए। सभी थाना प्रबंधक व चौकी प्रभारी अपने-अपने इलाका के जितने भी व्यक्तियों के पास लाइसेंसी हथियार हैं उन्हें तुरंत थाना में जमा करवाया जाए। कड़ी नाकाबंदी कर के प्रत्येक वाहन की गहनता से छानबीन की जाए। सभी थाना प्रबंधक व चौकी प्रभारी अपने अपने इलाका के सार्वजनिक स्थानों पर कड़ी नजर रखते हुए सभी होटल , ढाबे, धर्मशाला , सराय संचालकों को कड़े निर्देश दें कि वह अपने यहां किसी संदिग्ध व्यक्ति को ना ठहरने दे। सभी थाना प्रबंधक व चौकी प्रभारी अपने-अपने इलाका के अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे संदिग्ध व्यक्तियों तथा असामाजिक शरारती तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखेंगे। सभी थाना प्रबंधक व चौकी प्रभारी अपने अपने एरिया के मौजिज एवं सम्मानित व्यक्तियों से लगातार संपर्क एवं समन्वय स्थापित करने तथा कानून व शांति व्यवस्था को सुचारू एवं सौहार्दपूर्ण बनाए रखने लिए प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखेंग। किसी भी सूरत में कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति को बिगड़ने नहीं दिया जाएगा।

धुरन्धर टाइम्स
हिन्दी समचार पत्र में कविता, समाचार, लेख, जन्मदिन शुभकामनाएं व विज्ञापन छपवाने के लिए सम्पर्क करें
मो. 9015441661

फूड पॉइजनिंग होने पर अपनाएं ये घरेलू उपचार, जल्द मिलेगा आराम

मिताली जैन

कई अवसरों पर व्यक्ति बाहर का खाना खाता है लेकिन अगर बाहर मिलने वाला सही तरह से व स्वच्छता का ध्यान रखकर न पकाया गया हो तो इससे व्यक्ति को फूड पॉइजनिंग होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। फूड पॉइजनिंग होने पर व्यक्ति को मितली, उल्टी, पेट में दर्द, सिर में दर्द आदि का अहसास होता है। फूड पॉइजनिंग होने पर यूं तो दवाई का सेवन करने की सलाह दी जाती है, लेकिन इसके अतिरिक्त कुछ घरेलू उपायों के जरिए भी अपनी स्थिति में सुधार कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

अदरक

अदरक का इस्तेमाल सालों से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं दूर करने के लिए किया जाता है। अदरक में कुछ न्यूटिंयट्स पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाते हैं। इसलिए फूड पॉइजनिंग होने पर इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। इसके इस्तेमाल के लिए एक कप पानी में अदरक को कद्दूकस करके उबालें। इसके बाद इसे छानकर इसमें शहद मिलाकर सेवन करें। इसके अतिरिक्त अगर आप चाहें तो अदरक का रस निकालकर उसमें शहद मिलाकर सेवन करने से भी लाभ होता है।

तुलसी का प्रयोग

तुलसी में कई प्रकार के औषधीय गुण पाए जाते हैं। खासतौर से, इसमें मौजूद रोगाणुरोधी गुण सूक्ष्म जीवों से लड़ने में सहायक होते हैं। इसलिए फूड पॉइजनिंग में इसका सेवन बेहद लाभकारी है। आप चाहें तो तुलसी की पत्तियों को यूं ही धोकर चबाएं या फिर इसकी चाय बनाकर पिएं। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

सेब का सिरका

सेब का सिरका बैड बैक्टीरिया से लड़ता है, जिससे फूड पॉइजनिंग की स्थिति में आराम मिलता है। साथ ही यह गैस्टोइंटेस्टाइनल लाइनिंग को भी शांत करता है, जिससे व्यक्ति को तुरंत राहत मिलती है। इसके इस्तेमाल के लिए एक कप गर्म पानी में दो टेबलस्पून सेब का सिरका मिक्स करें और भोजन से पहले इसका सेवन करें।

नींबू का रस

छोटे से नींबू में एंटी-इंफलेमेटरी, एंटीवायरल व एंटी-बैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं जो आपको काफी हद तक राहत दिलाते हैं। इसके अतिरिक्त नींबू में मौजूद एसिड फूड पॉइजनिंग के बैक्टीरिया को भी मारता है। इसके सेवन के लिए एक चम्मच नींबू के रस में एक चुटकी चीनी मिलाएं और दिन में दो-तीन बार सेवन करें। इसके अतिरिक्त आप चाहें तो गर्म पानी में नींबू का रस डालकर उसका सेवन भी कर सकते हैं।

लहसुन आएगा काम

लहसुन में मौजूद एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल व एंटी-फंगल प्रॉपर्टीज फूड पाइजनिंग से लड़ने में बेहद प्रभावी है। इतना ही नहीं, इसका प्रयोग करने से पेट में दर्द व दस्त की स्थित सि भी आराम मिलता है। आप चाहें तो लहसुन के रस का सेवन करें या फिर गर्म पानी के साथ लहसुन की कुछ कलियों को चबाएं। अगर आपके लिए कच्चा लहसुन खाना मुश्किल है तो आप लहसुन के तेल व सोयाबीन के तेल को मिलाकर उससे पेट पर मालिश करें।

अगर आपने खाया बचा हुआ खाना तो बुरी सेहत के लिए होंगे आप जिम्मेदार

मिताली जैन

आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी में किसी के पास इतना भी समय नहीं होता कि वह हर मील में ताजा बना हुआ खाना बनाएं और खाएं। अक्सर लोग सुबह ही ऑफिस जाने से पहले सब्जी व आटा आदि तैयार कर लेते हैं ताकि रात में आने के बाद उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। अगर आपका नाम भी ऐसे लोगों की लिस्ट में शुमार है तो समझ लीजिए कि आप अपनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। बचा हुआ खाना खाने से आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

पनपते हैं बैक्टीरिया

अगर भोजन को पकाकर ताजा नहीं खाया जाता तो उसमें बैक्टीरिया व अन्य सूक्ष्मजीव पनपने लगते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ लोग भोजन बनाकर जल्दी-जल्दी में उसे गर्म ही फ्रिज में रख देते हैं, इससे भी सूक्ष्मजीव उस भोजन में पैदा होकर उसे खराब कर देते हैं। ऐसे में जब उस भोजन का सेवन बाद में किया जाता है तो इससे वह बैक्टीरिया व सूक्ष्मजीव आपके शरीर में जाकर आपको संक्रमित करते हैं।

न्यूटिशयंस का अभाव

भोजन करने का मुख्य ध्येय सिर्फ पेट भरना ही नहीं होता, बल्कि भोजन के जरिए हमें आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं जो शरीर की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से संचालित करने में मदद करते हैं। लेकिन अगर भोजन को पकाकर फ्रिज में स्टोर किया जाए तो ऐसा करने से भोजन के पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं और बाद में उस भोजन को करने का कोई लाभ प्राप्त नहीं होता।

पाचन तंत्र संबंधी परेशानियां

चूंकि बचा हुआ भोजन बैक्टीरिया पैदा करता है और इस तरह का भोजन पाचन तंत्र संबंधी परेशानियां पैदा करता है। ऐसे में व्यक्ति को पेट में दर्द, उल्टी, एसिडिटी, डायरिया व अन्य कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके अतिरिक्त गर्म भोजन को फ्रिज में रखने और बाद में उसका सेवन करने से फूड पॉइजनिंग होने की संभावना भी काफी हद तक बढ़ जाती है।

क्रॉस कॉम्बिनेशन

बचे हुए खाने को फ्रिज में रखने और उसे बाद में खाने का एक अन्य नुकसान यह है कि इसके कारण क्रॉस कॉम्बिनेशन होता है। दरअसल, जब भोजन को लंबे समय तक फ्रिज में रखा जाता है तो उसमें बैक्टीरिया तो पनपते हैं ही, साथ ही यह बैक्टीरिया फ्रिज में रखे अन्य भोजन को भी प्रभावित करता है। इस प्रकार भोजन का क्रॉस कॉम्बिनेशन आपकी हेल्थ पर विपरीत प्रभाव डालता है।

हर स्किन के लिए लाभदायक है एवोकाडो, जानिए फेस पैक बनाने का तरीका

मिताली जैन

गुड फैट्स, ओमेगा फैटी एसिड, विटामिन व अन्य कई तरह मिनरल युक्त एवोकाडो का सेवन करने की सलाह अक्सर दी जाती है। लेकिन क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि यही एवोकाडो आपकी स्किन के लिए भी उतना ही लाभकारी है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह स्किन की हर समस्या को सुलझाता है और हर स्किन टाइप के लोग इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। बस जरूरत है तो इसकी मदद से फेस पैक बनाने की। तो चलिए जानते हैं एवोकाडो की मदद से बनने वाले फेस पैक्स के बारे में-

रूखी स्किन

अगर आपकी स्किन रूखी होने के साथ-साथ एक्ने प्रोन है तो आप इस मास्क का प्रयोग कीजिए। इसके लिए आप एक पके हुए एवोकाडो को अच्छी तरह मैश करें तथा अब इसमें एक टेबलस्पून शहद मिक्स करके एक पेस्ट तैयार करें। अंत में इसे अपने चेहरे पर लगाकर करीबन 20 मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी की मदद से धोएं। आप इस मास्क को सप्ताह में एक या दो बार अप्लाई कर सकती हैं।

ऑयली स्किन

ऑयली स्किन की महिलाएं एवोकाडो और एग व्हाइट की मदद से अपना रूप निखार सकती हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए एक अंडा तोड़कर उसका एग व्हाइट निकालें। अब इसमें एक पके हुए एवोकाडो का पल्प निकालकर अच्छी तरह मैश करें। इस मास्क को चेहरे पर लगाकर करीबन बीस से पच्चीस मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में ठंडे पानी की मदद से चेहरा वॉश करें। आप सप्ताह में इस पैक का इस्तेमाल करें और ऑयली स्किन की हर समस्या से निजात पाएं।

कॉम्बिनेशन स्किन

बहुत सी महिलाएं ऐसी होती हैं, जिनकी स्किन कॉम्बिनेशन होती है। ऐसी महिलाएं सिर्फ रूखी या ऑयली स्किन प्रॉडक्ट इस्तेमाल नहीं कर सकती। अगर आपकी स्किन भी ऐसी है तो आप एवोकाडो व नारियल तेल की मदद से फेस पैक तैयार करके अप्लाई करें। इसके लिए एक पके हुए एवोकाडो को मैश करके उसमें एक टेबलस्पून वर्जिन कोकोनट ऑयल व एक टेबलस्पून एलोवेरा जेल को डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसके बाद इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर करीबन 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में ठंडे पानी से चेहरा धोएं। आप इसे सप्ताह में एक या दो बार अप्लाई कर सकते हैं।

ऑल स्किन टाइप

अगर आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि आपकी स्किन किस तरह की है और आपको किस मास्क को अप्लाई करना चाहिए, तो आप इस फेस पैक का प्रयोग कीजिए। इसके लिए आधा पका हुआ केला और आधा पका हुआ एवोकाडो लेकर उसे अच्छी तरह मैश व मिक्स कीजिए। अब इसे चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में पानी की मदद से चेहरा साफ करें।

होंठों को गुलाबी बनाने की चाहत है तो खाएं चुकंदर, फिर देखिये कमाल

मिताली जैन

होंठों की सुंदरता तब और भी अधिक बढ़ जाती है, जब वह

गुलाबी व सॉफ्ट हों। ऐसे बहुत ही कम महिलाएं होंगी जिनके होंठ प्राकृतिक रूप से गुलाबी हों। अधिकतर महिलाएं इसके लिए तरह-तरह के प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करती हैं। केमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स भले ही कुछ समय के लिए प्रभावकारी हों, परंतु बाद में इनका असर खत्म हो जाता है। साथ ही लगातार केमिकल का इस्तेमाल करने से इसका विपरीत प्रभाव भी नजर आता है। तो क्यों न होंठों को प्राकृतिक तरीके से पिंक बनाया जाए। इसमें चुकंदर आपकी मदद कर सकता है। अगर आप चाहें तो चुकंदर की मदद से एक होममेड लिप बाम बना सकती हैं। यह होममेड लिप बाम आपके होंठों को एक अलग ही रूप देता है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

निकालें रस

चुकंदर का होंठों पर इस्तेमाल करने से पहले आपको उसका रस निकालना होगा। इसके लिए चुकंदर को छीलकर उसे काटें। फिर उन्हें एक मिक्सी के जार या फूड प्रोसेसर में डालकर पीस लें। याद रखें कि आपको इसमें पानी नहीं मिलाना है। बल्कि चुंकदर का ही प्राकृतिक रस निकलनें दें। अब आप इसे छानकर इसका रस निकाल लें। आप इस रस को किसी कंटेनर में स्टोर करके भी रख सकते हैं।

नारियल तेल का इस्तेमाल

अब इस चुकंदर के रस के जार में एक चम्मच नारियल का तेल मिक्स करें। इससे होंठों को नेचुरल मॉइश्चर मिलेगा और वह सॉफ्ट बनेंगे। आप नारियल तेल की मात्रा अपनी जरूरत अनुसार घटा या बढ़ा भी सकते हैं। साथ ही आप नारियल तेल के स्थान पर शहद या बीसवेक्स का प्रयोग भी कर सकते हैं। अगर आप इस होममेड लिप बाम को बतौर लिप स्क्रब इस्तेमाल करना चाहते हैं तो इसमें कुछ चीनी के दाने भी मिला लें। अब इस टूथपिक की मदद से इसे अच्छी तरह मिक्स करें।

लास्ट स्टेप

अब अंत में इसे फ्रिज में जमने के लिए रख दें। आपका होममेड बीटरूट लिप बाम बनकर तैयार है। अब आप इस लिप बाम का इस्तेमाल करें और गुलाबी होंठ पाएं। जब यह सूख जाएगा तो आपके होंठ रेडिश लुक देंगे। अगर आप लगातार इस लिप बाम का इस्तेमाल करते हैं तो कुछ ही दिनों में आपके होंठ प्राकृतिक रूप से गुलाबी व नरम हो जाएंगे।

गर्दन में दर्द की समस्या से जूझ रहे हैं तो इस तरह मिल सकती है राहत

मिताली जैन

स्किन पर अगर कसावट हो तो वह देखने में काफी अच्छी लगती है, लेकिन अगर गर्दन की स्किन लटकती है तो इससे कम उम्र में ही आप बूढ़े लगने लगते हैं। इतना ही नहीं, यह भी समझ नहीं आता कि गर्दन की स्किन का कसाव वापिस किस तरह लाया जाए। अगर आप भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं तो आज हम आपको गर्दन की स्किन में कसाव वापिस लाने के कुछ बेहद आसान उपाय बता रहे हैं-

मसाज

गर्दन की झुर्रियों व ड्राईनेस को दूर करने के लिए हॉट मसाज करना एक आसान व असरदार उपाय है। हॉट मसाज करने से ढीली त्वचा मॉइश्चराइज होती है, जिससे वह न सिर्फ साफ्ट बनती है, बल्कि उसमें फिर से कसावट आती है। साथ ही हॉट मसाज गर्दन की स्किन को रिपेयर भी करती है।

कंट्रोल करें वजन

वजन के जरूरत से ज्यादा बढ़ने से शरीर में एक्सट्रा फैट इकट्ठा हो जाता है और जिसके चलते स्किन लटकने लगती है। ऐसे में गर्दन में कसावट लाने के लिए वजन पर भी नजर रखना बेहद जरूरी है। जब आपकी गर्दन पर अतिरिक्त फैट नहीं होगा तो उसमें कसावट लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

खीरा करेगा काम

गर्दन की स्किन पर कसावट लाने के लिए खीरे का इस्तेमाल काफी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले खीरे को कद्दूकस करें। इसके बाद इसमें दही व बादाम का तेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इस पेस्ट को प्रभावित स्थान पर लगाकर करीबन आधा घंटे के लिए छोड़ दें। अंत में गुलाब जल व कॉटन की मदद से इसे साफ करें। अब मॉइश्चराइजर से गर्दन की मसाज करें। प्रतिदिन ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आएगा।

मुल्तानी मिट्टी का कमाल

खीरे की तरह ही मुल्तानी मिट्टी स्किन में कसाव लाने का काम करती है। आप इसका पैक बनाकर भी गर्दन पर लगा सकती हैं। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले दो टेबलस्पून मुल्तानी मिट्टी एक बाउल में लेकर उसमें क्रीम व गुलाब जल डालकर मिक्स करें। अब इसमें एग व्हाइट व नींबू का रस डालकर एक बार फिर से मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अंत में इस मिश्रण में मैश किया हुआ केला डालकर मिक्स करें व फ्रिज में करीबन आधे घंटे के लिए रखें। आधे घंटे बाद इस पेस्ट को गर्दन पर लगाकर करीबन एक घंटे के लिए छोड़ दें। जब यह अच्छी तरह सूख जाए तो थोड़ा गुलाब जल हाथों पर लेकर गर्दन की अच्छी तरह मसाज करें तथा फिर हल्के गुनगुने पानी से गर्दन को साफ करें और मॉइश्चराइजर लगाएं।

काशी के बाद आंध्र प्रदेश है धार्मिक पर्यटन का हब, इन मंदिरों का है विशेष महत्व

सुषमा तिवारी

आंध्र प्रदेश भारत के खूबसूरत राज्यों में से एक है साथ ही यह धार्मिक स्थलों से भरा राज्य भी है। यहां पर आपको हिंदू धर्म के सभी पूजनीय देवी-देवताओं के मंदिर मिल जाएंगे। आंध्र प्रदेश अपने चुनिंदा मंदिरों के चलते धार्मिक पर्यटन का हब बन गया है और इस कारण भारत के दक्षिण में स्थित यह राज्य देश के अलावा विदेश से आने वाले पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है।

कनका दुर्गा मंदिर

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा शहर में एक बहुत ही खूबसूरत पहाड़ी है 'इन्द्रकीलाद्री'। इस पहाड़ी के साथ बहती है पवित्र कृष्णा नदी और इसी के तट पर बना है मां दुर्गा का कनका दुर्गा मंदिर। नवरात्रि में यहां विशेष पूजा होती है। लोगों का देवी दुर्गा के इस मंदिर में काफी विश्वास है। बड़ी मात्रा में यहां भक्तों का जमावड़ा होता है। दशहरा के दिन यहां विशाल उत्सव होता है और इस दिन तीर्थयात्री कृष्णा नदी में पवित्र डुबकी लगाते हैं।

तिरुमाला तिरुपति मंदिर (तिरुपति वेन्कटेशवर मन्दिर)

आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित तिरुपति एक पवित्र स्थान है। इस स्थान को भगवान वेंकटेश्वर का निवास माना जाता है। तिरुपति प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक है। कहते हैं कि भगवान वेंकटेश्वर की यहां असीम कृपा है इसलिए ये जगह दुनिया की सबसे समृद्ध जगह है। तिरुपति में बना तिरुपति वेन्कटेशवर मन्दिर भगवान विष्णु को समर्पित 108 दिव्यदेषम में से भी एक है। हर साल यहाँ ब्रह्मोत्सव का भी आयोजन किया

जाता है, जिसमें तक़रीबन 5,00,000 से भी ज्यादा भक्त हिस्सा लेते हैं।

कोदंदरमा मंदिर

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को समर्पित आंध्र प्रदेश के कडपा जिले में बना कोदंदरमा मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। कडपा के वोंतीमित्ता में बने इस मंदिर को 16वीं शताब्दी में बनवाया गया था। ये मंदिर हर दृष्टिकोण से काफी अनुपम है और इसका आकार काफी बड़ा है। ये श्रीराम मंदिरों में से एक है।

मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के श्रीसैलम की नल्लामला पहाड़ियों पर बना है भगवान शिव को समर्पित मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर। इन विशाल पहाड़ियों को भगवान का निवास स्थान माना जाता है। कहते हैं शिव यहां हर जगह हैं। ये मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से भी एक है इसलिए इस जगह का विशेष महत्व है। भगवान राम ने स्वयं यहाँ सहस्रलिंग की स्थापना की थी, जबकि पांडवों ने मंदिर के आँगन में पञ्चपांडव लिंग की स्थापना की थी।

श्री कालहस्तीस्वर मंदिर

आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के स्वर्णमुखी नदी के तट पर बना श्री कालहस्तीस्वर मंदिर वायु का प्रतिनिधित्व करने वाले पञ्चभूत लिंगों में से एक है। इसीलिए चौथे लिंग को वायुलिंग भी कहा जाता है। भगवान शिव के बाकी चार लिंग तमिलनाडु में स्थित हैं।

दूध जैसे सफेद पानी में अगर रॉफ्टिंग करनी है तो चले आइये दांदेली

सुषमा तिवारी

घूमने-फिरने के दौरान अगर आपको एडवेंचर पसंद है तो दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित दांदेली जरूर जाएं। दांदेली बहुत ही खूबसूरत ट्रैवल डेस्टिनेशन है जहां पर आप तमाम तरह के एडवेंचर एक्टिविटीज भी कर सकते हैं। ये जगह कर्नाटक और गोवा के बॉर्डर के पास होने के कारण यहां पर विदेशी सैलानियों का जमावड़ा लगता है। यहां पर आप रॉफ्टिंग, बोटिंग, रैपलिंग, एडवेंचर ट्रैकिंग, जंगल सफारी, रिवर साइड फिशिंग इस तरह की कई सारी एक्टिविटीज कर सकते हैं। अगर आप यहा आ रहे हैं तो इन सबके अलावा यहां आसपास स्थित गुफाओं और भगवान के मंदिरों को देखना भी अच्छा एक्सपीरियंस रहेगा।

आइये जानते हैं और क्या खास है दांदेली के सफर में-

सफेद पानी की रॉफ्टिंग

मनाली- ऋषिकेश के अलावा अगर आपको सफेद पानी में रॉफ्टिंग करनी है तो आप कर्नाटक के दांदेली में कर सकते हैं पर ध्यान रहे यहां के पानी का बहाव काफी तेज होता है लेकिन इस तेज बहाव के पानी में रॉफ्टिंग का मजा अलग ही होता हैं।

पहाड़ों से गिरते हुए झरनों में रैपलिंग

आप यहां पर पहाड़ों से गिरते हुए झरनों में रैपलिंग भी कर सकते हैं। ये झरने काफी खूबसूरत हैं यहां का नजारा आपके लिए यादगार रहेगा।

एडवेंचर ट्रैकिंग

एडवेंचर एक्टिविटीज में जब तक ट्रैकिंग न हो तब-तक एडवेंचर अधूरा रहता है अपको अगर ट्रैकिंग करना पसंद है तो आप यहा एडवेंचर ट्रैकिंग भी कर सकते हैं। यहां के पहाड़ी रास्ते ट्रैकिंग के लिए काफी अच्छे हैं जो स्पेशल ट्रैकिंग के लिए मशहूर हैं। इस रास्ते पर आपको कई मैगी प्वाइंट् मिलेंगे जहां आप रूक कर आराम कर सकते हैं और खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक धुरन्धर चौहान द्वारा मूलनिवासी प्रिंटिंग प्रेस, मकान नं0 21 व 22, ब्लॉक आर-3/ए-3, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059 से मुद्रित तथा कार्यालय 'धुरन्धर टाइम्स' डी-405, ब्लॉक-डी, मंगोलपुरी, नई दिल्ली-110083 से प्रकाशित किया। किसी भी कानूनी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगा।

Title-Code :- DELHIN28521

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली में होंगे।

इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में राफेल नडाल भिड़ेंगे रोजर फेडरर से

एजेंसी, इंडियन वेल्स

राफेल नडाल ने घुटने की समस्या के बावजूद शुक्रवार को रूस के करेन खाचानोव की चुनौती पस्त करते हुए एटीपी इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनकी भिड़ंत रोजर फेडरर से होगी। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नडाल टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय खिलाड़ी हैं क्योंकि नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच शुरूआती दौर में ही पराजित हो गये थे। उन्होंने दोनों टाईब्रेकर में दबदबा बनाया और रूस के खिलाड़ी को 7-6 7-6 से मात दी।

अब वह इंडियन वेल्स के पांच बार के चैम्पियन फेडरर से करियर की 39वीं भिड़ंत में आमने सामने होंगे जिन्होंने 67वीं रैंकिंग के खिलाड़ी पोलैंड के हुबर्ट हुर्कास्ज को 6-4 6-4 से मात दी। नडाल और फेडरर के बीच जीत का रिकार्ड 23-15 है। लेकिन फेडरर ने 20 हार्ड कार्ड कोर्ट मुकाबलों में से 11 में जीत हासिल की है जिसमें पिछली पांच भिड़ंत शामिल हैं। हालांकि दोनों 2017 अक्तूबर के बाद से आमने सामने नहीं हुए हैं, जिसमें फेडरर ने शंघाई मास्टर्स में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी।

टेस्ट गेंदबाज का ठप्पा लगने से एकदिवसीय में नहीं मिल रहा मौका : इशांत

एजेंसी, नयी दिल्ली

अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने शनिवार को यहां कहा कि एकदिवसीय टीम में उनकी जगह इसलिए नहीं बन पा रही है क्योंकि भारतीय क्रिकेट में यह राय बन गयी है कि वह टेस्ट मैचों के गेंदबाज है। इशांत ने करियर में 80 एकदिवसीय मैच खेले है जिसमें आखिरी बार वह वनडे में तीन साल पहले दिखे थे। तीस साल के इस गेंदबाज ने अब तक 90 टेस्ट में देश का प्रतिनिधित्व किया है और उन्हें खुद को टेस्ट विशेषज्ञ पर देखा जाना पसंद नहीं। आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मीडिया सत्र के दौरान इशांत ने कहा, '' हां,

मैं मानता हूं कि भारतीय क्रिकेट में ऐसे विचारों के कारण मैं सीमित ओवर की टीम में नहीं हूं। मुझे नहीं पता कि ऐसे विचार कहां से आते हैं।'' लिस्ट ए क्रिकेट में चेतेश्वर पुजारा का औसत भी 50 से अधिक का है लेकन उन पर भी टेस्ट विशेषज्ञ का ठप्पा लगा है और इशांत खुद को सौराष्ट्र के इस बल्लेबाज से जोड़ कर देखते हैं। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने कहा, '' इमानदारी से कहूं तो यह कुछ ऐसा है जिससे खिलाड़ियों को जूझना पड़ रहा है लेकिन मुझे नहीं पता ऐसी राय कहां से बनती है। इससे हम पर ठप्पा लग जाता है, 'यह टेस्ट गेंदबाज है', यह टी2 गेंदबाज है', 'लाल गेंद का गेंदबाज', 'सफेद गेंद का गेंदबाज' और भी बहुत कुछ।''टेस्ट मैचों में 267 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा कि अगर कोई लाल गेंद से अच्छी गेंदबाजी कर सकता है तो वह किसी भी प्रारूप में खेल सकता है।'

श्रीलंका के खिलाफ मैच के लिए भारतीय महिला टीम पूरी तरह से तैयार

एजेंसी, बीरतनगर

मालदीव को पहले मैच में छह गोल से पराजित करने वाली

भारतीय महिला टीम का लक्ष्य सैफ महिला चैम्पियनशिप में श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल कर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना होगा। भारतीय महिला टीम तीन दिन के ब्रेक के बाद इस मैच में खेलेगी और मुख्य कोच मेमोल रॉकी को लगता है कि उनकी खिलाड़ी इस मुकाबले के लिये पूरी तरह तैयार हैं।

उन्होंने कहा, ''खिलाड़ी अगले मैच के लिये पूरी तरह तैयार हैं। पिछले मैच के बाद दो खिलाड़ियों के हल्की चोट लगी थी लेकिन अब वे पूरी तरह उबर चुकी हैं।'' कोच ने कहा कि ध्यान खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा रखने पर ही लगा है और वे मैदान पर कुछ रणनीतियों को आजमाने पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''हमने इन तीन दिनों में काफी अच्छी तैयारी की है। हम मैच के बाद अच्छी तरह उबर गये हैं और खिलाड़ियों को आराम करने का कुछ समय भी मिल गया है।

बाल-बाल बची बांग्लादेश की क्रिकेट टीम, मस्जिद से कुछ मीटर दूर ही थे खिलाड़ी

एजेंसी, नयी दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के प्रदर्शन विश्लेषक श्रीनिवास चंद्रशेखरन ने न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में हेगले ओवल मैदान के करीब स्थित मस्जिद में हुए हमले के बारे में कहा कि खिलाड़ियों की योजना शुक्रवार की नमाज के बाद अभ्यास करने की थी। इस हमले में बांग्लादेशी खिलाड़ी बाल बाल बचे। टीम की बस इस घटना स्थल से कुछ मीटर दूर थी। खिलाड़ियों ने गोली चलने की आवाज सुनी और कुछ क्षण बाद एक महिला को गिरते देखा। कुछ खिलाड़ी घायल महिला की मदद करना चाहते थे लेकिन तब उन्होंने मस्जिद से डरे हुए लोगों को बाहर निकलते देखा जिनमें से कुछ के खून निकल रहा था। भारत के चंद्रशेखरन भी इस बस में थे और उन्होंने क्राइस्टचर्च में टीम होटल से बातचीत में बताया, ''हम शुरू में कोई

प्रतिक्रिया नहीं दे सके। यह इतनी भयावह स्थिति थी, आपका दिमाग अचानक ही काम करना बंद कर देता है क्योंकि आप डर जाते हो। हम सभी के साथ ऐसा ही हुआ।

मुंबई में बसे साफ्टवेयर इंजीनियर चंद्रशेखरन बांग्लादेश टीम के साथ वीडिया विश्लेषक के तौर पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि शुरू में उन्होंने महसूस ही नहीं किया कि यह आंतकी हमला था। चंद्रशेखरन ने कहा, ''यह मस्जिद से कुछ मीटर दूर था और हमने गोलियों की आवाज सुनी। न तो खिलाड़ियों और न ही मुझे महसूस हुआ कि क्या हो रहा था। अचानक ही हमने देखा कि एक महिला सड़क पर गिर पड़ी। मने सोचा कि यह चिकित्सीय आपात स्थिति थी और कुछ खिलाड़ी बस से उतरकर उस औरत की मदद करना चाहते थे। ''उन्होंने कहा, ''हालांकि, हमने महसूस किया कि यह उससे कहीं ज्यादा था। हमने देखा कि लोग जिंदगी बचाने के लिये भाग रहे थे और हर जगह खून था और अचानक ही हम सभी को बस के फर्श पर शांति से लेटने को कहा गया। मुझे नहीं पता कि हम बस के फर्श पर कितने मिनट तक लेटे रहे। जब तक हमें समझ आया, सब शांत हो गया और हमने वही किया जो हमसे कहा गया।'' आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ काम कर चुके चंद्रशेखरन 2018 में बांग्लादेशी टीम से जुड़े थे। उन्होंने कहा, ''लाजमी है कि सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ सदमे में है।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने ली राहत की सांस, न्यूजीलैंड से हुए रवाना

एजेंसी, क्राइस्टचर्च

बांग्लादेश क्रिकेट टीम क्राइस्टचर्च में देश के सबसे खतरनाक आंतकी हमले में बाल बाल बचने के बाद शनिवार को न्यूजीलैंड से रवाना हो गयी। क्राइस्टचर्च में मस्जिद में हुई गोलीबारी की घटना के बाद बांग्लादेशी टीम के खिलाड़ी स्वदेश रवानगी के लिये फ्लाइट में बैठकर राहत महसूस कर रहे थे। स्टफ डाट को डाट एनजेड वेबसाइट के अनुसार बांग्लादेश के खिलाड़ी और प्रबंधन स्टाफ शनिवार को क्राइस्टचर्च से रवाना हुए। सभी शहर के होटल से पुलिस दस्ते के साथ टीम बस में क्राइस्टचर्च हवाईअड्डे पहुंचे। बांग्लादेश का सहयोगी स्टाफ बाद में फ्लाइट पकड़ेगा। बांग्लादेश की टीम को शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा और अंतिम टेस्ट खेलना था लेकिन मस्जिद अल नूर मस्जिद में गोलीबारी के बाद इसे रद्द कर दिया गया। देश में दो मस्जिदों में हुए हमले में करीब 49 लोगों की मौत हो गयी। बांग्लादेश की टीम के खिलाड़ी नमाज पढ़ने के लिये मस्जिद में प्रवेश करने ही वाले थे कि तभी यह घटना हो गयी और खिलाड़ी बाल बाल बचे।

आलिया के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा के टूटे दिल को मिला इस एक्ट्रेस का सहारा

आकांक्षा तिवारी

एक समय था जब सिद्धार्थ मल्होत्रा और आलिया भट्ट हर जगह अकसर साथ देखे जाते थे। इसके अलावा इनके इश्क के चर्चे भी अकसर मीडिया की सुर्खियां बटोरते रहते थे। यही नहीं, दर्शकों को भी इन दोनों की जोड़ी काफ़ी पसंद थी, पर अचानक सिद्धार्थ और आलिया के ब्रेकअप की ख़बर ने सभी का दिल तोड़ दिया।

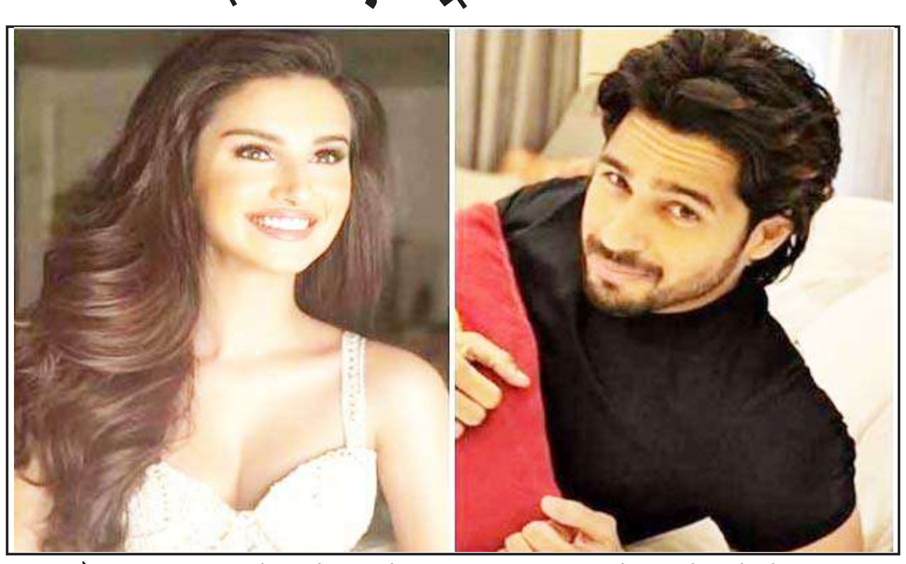

ख़ैर, सिद्धार्थ से अलग होने के बाद आलिया, कपूर खानदान के बेटे रणबीर कपूर को डेट कर रही हैं और अगर सब ठीक रहा, तो साल के अंत तक दोनों की शादी की ख़बरें भी सामने आ सकती हैं। वहीं अब सिद्धार्थ के बारे में कहा जा रहा है कि वो इस समय वो ख़ुद से 11 साल छोटी एक्ट्रेस के प्यार में हैं और उसे डेट कर रहे हैं।

सिद्धार्थ से 11 साल छोटी अभिनेत्री कोई और नहीं, बल्कि स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 की एक्ट्रेस तारा सुतारिया हैं। तारा करण जौहर की फ़िल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। काफ़ी समय तक ये दोनों साथ में घूमने-फिरने से बचते रहे, पर हाल ही में इन्हें एक जगह साथ में देखा गया। कहा जा रहा है कि सिद्धार्थ और तारा साथ में अमिताभ और तापसी की फ़िल्म बदला साथ देखने पहुंचे थे। हांलाकि, अब तक दोनों की तरफ़ से इनके अफ़ेयर को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। तारा से पहले जहां सिद्धार्थ आलिया को डेट कर रहे थे, तो वहीं तारा विनोद मेहरा के बेटे रोहन मेहरा के साथ देखी जाती थी। फ़िलहाल, अब तारा और रोहन साथ नहीं हैं। हाल ही में तारा टाइगर श्रॉफ के साथ एक टॉक शो में दिखाई दी थी। वहीं टॉक शो के दौरान अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने इशारों ही इशारों में तारा और सिद्धार्थ के अफ़येर को लेकर हिंट दी। क्योंकि शो में रेपिड फायर राउंड के दौरान जब टाइगर से पूछा गया कि वो सिद्धार्थ मल्होत्रा से क्या चुराना चाहते हैं?, तो वो मुस्कुराने लगे और मुस्कुराते हुए तारा की तरफ़ देखा था। इस सवाल पर तारा का चेहरा ब्लश कर रहा था। वैसे चलो ठीक ही है आलिया अपनी लाइफ़ में ख़ुश हैं, तो सिद्धार्थ के टूटे दिल को भी किसी का सहारा मिल गया।

80 लोगों ने 30 दिन में तैयार किया है फिल्म नोटबुक का अनोखा फ्लोटिंग सेट

एजेंसी, मुंबई

ऐसी कई फिल्में हैं जो अपने अनोखे सेट के कारण चर्चाओं में रही हैं। ऐसे सेट करोड़ों की लागत से तैयार किए गए और फिल्म पूरी होते ही तोड़ दिए गए। निर्माता इस बात को समझते हैं कि सेट का कितना महत्व होता है इसलिए उनके निर्माण पर खुलकर पैसा बहाते हैं। ऐसा ही एक अनोखा सेट जहीर इकबाल और प्रनूतन अभिनीत तथा नितिन कक्कड़ निर्देशित फिल्म नोटबुक के लिए के लिए बनाया गया है, जो अपने आप में अनोखा है। फिल्म में 2007 के दौरान की कहानी को दिखाया गया है और फिल्म में एक झील के बीच स्कूल की कहानी चलती है इसीलिए निर्माताओं ने एक सेट बनाया, जो पानी के बीच खड़ा था।

दिलचस्प बात यह है कि इसे बनाने में 30 दिन का समय लगा और 80 क्रू सदस्यों ने हर दिन चौबीसों घंटे काम किया। इस असाधारण सेट को दो युवा लड़कियों उर्वी अशर और शिप्रा रावल द्वारा डिजाइन किया गया है। उन्होंने फिल्म नोटबुक के सेट के लिए बतौर आर्ट डिजाइनरों के रूप में काम किया। इस फ्लोटिंग सेट के बारे में बात करते हुए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नितिन कक्कड़ ने कहा, यह पहली बार है की जब मैंने एक वास्तविक स्थान पर बनाए गए सेट पर शूटिंग की है। आर्ट डिजाइनर उर्वी और शिप्रा का काम बहुत सराहनीय लगा।इस तरह का सेट बनाना बहुत मुश्किल था क्योंकि यह तैर रहा था, लेकिन यह 3 दिनों के लिए हमारा घर बन गया था। जिस दिन सेट पर काम पूरा हुआ और सेट निकाला जाना था तो मेरा दिल भर आया था। इस सेट से बहुत से यादें जुड़ हुई थीं। अब मैं इन यादों को जीवन भर संजोऊंगा। नोटबुक को कश्मीर की खूबसूरत घाटियों में फ़िल्माया गया है, जिसमें दो प्रेमी फिरदौस और कबीर की प्रामाणिक प्रेम कहानी के साथ-साथ बाल कलाकारों की दमदार कास्टिंग देखने मिलेगी जो कहानी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आमिर खान ने दिया हिंट, बेटा जल्द कर सकता है बॉलीवुड में डेब्यू

एजेंसी, मुंबई

अभिनेता आमिर खान ने कहा है कि उनके बेटे जुनैद को फिलहाल रंगमंच करने में रूचि है तथा वह उसके इस फैसले का समर्थन करते हैं। जुनैद आमिर की सबसे बड़ी संतान हैं तथा उनकी मां आमिर की पूर्व पत्नी रीना दत्ता हैं। जुनैद राजकुमार हिरानी की फिल्म पीके के सह निर्देशक के तौर पर काम कर चुके हैं। आमिर खान ने यहां एक साक्षात्कार में कहा, यह (फिल्मों में पदार्पण करना) उसपर निर्भर करता है। उसे अपना जीवन जीना चाहिये तथा अपने फैसले लेने चाहिये।

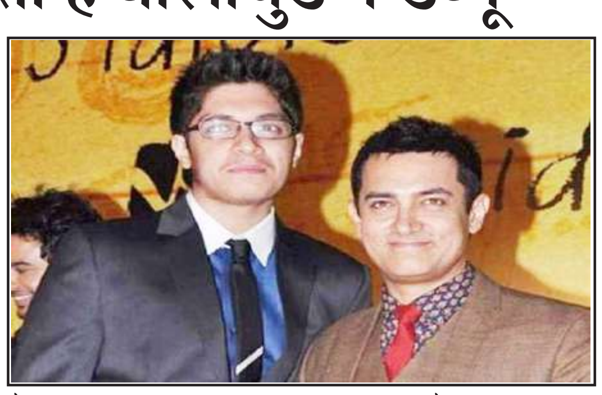

मैं उससे यह अधिकार नहीं ले सकता। मैंने यह उसपर छोड़ दिया है। उसका झुकाव निश्चित रूप से रचनात्मक दुनिया तथा फिल्म निर्माण की ओर है। आमिर ने कहा, वह अपनी राह पर चल रहा है। उसने रंगमंच पढ़ा है। वह वास्तव में फिल्मों के बजाय रंगमंच में अधिक रूचि लेता है। मैंने उसे अपना रास्ता खुद तलाश करनेकी अनुमति दी है। ऐसा होना चाहिए। वह बहुत होशियार है।

सारा को अपनी इस बुरी आदत की वजह से मांगनी पड़ी रणवीर सिंह और सुशांत से माफी

रेनू तिवारी

सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान ने सुशांत सिंह राजपूज के साथ फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद उनकी सिंबा से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। सिंबा में रणवीर सिंह के साथ को-स्टार थी सारा अली खान। फिल्म केदारनाथ और सिंबा के सेट पर अपनी एक गलत आदत के कारण लोग उनसे दूर भागते थे। सारा ने बहुत बार रणवीर सिंह और सुशांत सिंह राजपूत से फिल्म के सेट पर इस गलत आदत की वजह से मांफी भी मांगनी पड़ी। अब आप सोच रहे होंगे वो कौन सी आदत है

जिसके वजह से सारा को शर्मिंदा होना पड़ा... तो आपको बता दें की ये आदत काफी फनी है। दरअसल सारा को अपने बालों में प्लाज का रस लगाने की आदत है। ये आदत तो बालों के लिए अच्छी है लेकिन आस-पास रहने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो जाती है। क्योंकि प्याज के रस की बदबू बेहद ही खतरनाक होती थी। इसके लिए सारा को सेट पर सबसे मांफी भी मांगनी पड़ती थी। ये बात सारा ने अपने एक इंटरव्यू में बताई थी। सारा ने बताया मैं अपने बालों को चमकदार बनाने के लिए इसमें प्याज का रस लगाती हूं, देखने में यह बहुत अच्छा लगता है, लेकिन इससे आपके कोस्टार को काफी मुश्किल होती है। शूटिंग के दौरान जब मैं ऐसा करती थी तो दोनों को बता देती थी। सारा ने हंसते हुए बताया एक बार रणवीर ने तो पूछा भी कि ये क्यों करती हो। मैं कहती थी ऐसा मैंने अपने बालों को चमकदार बनाने के लिए किया है, ये बहुत खूबसूरत दिखाई दे रहे हैं, लेकिन तुम्हें इसकी बदबू झेलनी होगी. सारा ने कहा, मैंने इसके लिए दोनों से माफी भी मांगी है।

समाज में हर स्तर पर सुधार लाने में पत्रकार निभाते हैं अग्रणी भूमिका : सतपाल

प्रजातांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए निष्पक्ष पत्रकारिता आवश्यक

संवाददाता, बहादुरगढ़

प्रजातांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए निष्पक्ष पत्रकारिता आवश्यक है। यही नहीं समाज में हर स्तर पर सुधार लाने के लिए व विकास की गति को तेज करने के लिए निष्पक्ष पत्रकारिता पर बल देना चाहिए। ऐसा नहीं है कि निष्पक्ष पत्रकारिता नहीं हो रही लेकिन इसमें और सुधार लाने की आवश्यकता है। यह कहना है कांग्रेस पंचायती राज प्रकोष्ठ के महासचिव सतपाल राठी का।

वे सोमवार को बहादुरगढ़ के पीडब्ल्यूडी विश्रामगृह में दिल्ली से प्रकाशित एक हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र शान-ए-बहादुरगढ़ के विमोचन समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत करने आए हुए थे। बाद में पत्रकारों से बातचीत में राठी ने कहा कि एक अच्छे पत्रकार की पहचान है कि वह सही और गलत में भेद कर सके। तथ्यों की वास्तविकता की गहराई तक जांच कर उसे अपनी लेखनी से प्रस्तुत करे। पत्रकार को अपने मूल्यों व मर्यादाओं का सदा पालन और संरक्षण करना चाहिए। सतपाल राठी ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ व हर जगह अपनी जान जोखिम में डालकर कवरेज करने का माजदा रखने वाले पत्रकार हमेशा समाज को आइना दिखाने का काम करते हैं और शासन व प्रशासन को यह बताने का काम करते हैं कि वह समाज को विकास की ओर ले जाने के लिए ऐसे कार्य करें व उनमें कमियों को उजागर कर सरकार व आला अधिकारियों के संज्ञान में मामला लाकर आइना दिखाने का काम करते हैं और एक नई रूपरेखा देने का काम समाज के सजग प्रहरी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ निरंतर करते रहे हैं और हमेशा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपनी लेखनी के माध्यम से एक अलग पहचान बनाने व समाज में व्याप्त बुराईयों व भ्रष्टाचार को निर्मित प्रकार से संपादित करने व समाज में पीड़ित, शोषित व परेशान लोगों की समस्याओं को अपने समाचार पत्र के माध्यम से सरकार एवं अधिकारियों तक निष्पक्ष रूप से पहुंचाने का काम करते रहें। इस मौके पर कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला चेयरमैन असलम खान, पूर्व पार्षद हरस्वरूप, राजू नागपाल, राहुल लडरावन, मनोज हुड्डा के अलावा वरिष्ठ पत्रकार प्रेम शर्मा, प्रवीन भारद्वाज, धीरज शर्मा, प्रदीप भारद्वाज, सुशील वत्स, राकेश पंवार, कमल सहरावत, आशीष गुप्ता, मनीष पंवार, प्रमोद शर्मा, हरीश रोहिल्ला, सिद्धार्थ राव, प्रवीन चोपड़ा, दीपक सैनी, श्रीनिवास के अलावा कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र का विमोचन करते हुए कांग्रेस पंचायती राज प्रकोष्ठ महासचिव सतपाल राठी व अन्य। (छाया : टाइम्स.)

हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र के विमोचन कार्यक्रम में पहुंचने से पहले कांग्रेस पंचायती राज प्रकोष्ठ महासचिव सतपाल राठी को बुक्के भेंट करते हुए पत्रकार। (छाया : टाइम्स.)

युवा इनेलो ग्रामीण व शहरी अध्यक्ष सहित अनेक पदाधिकारियों को हुआ अभिनंदन

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने जताया पार्टी व संगठन के नताओं को आभार

युवा इनेलो व अन्य प्रकोष्ठों के नवनियुक्त पदाधिकारी अभिनंदन समारोह में इनेलो जिलाध्यक्ष कमबीर राठी के साथ। (छाया : टाइम्स.)

संवाददाता, बहादुरगढ़

इण्डियन नेशनल लोकदल की युवा ईकाई के नवनियुक्त हलकाध्यक्षों व अन्य पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया। पार्टी के बहादुरगढ़ कार्यालय पर आयोजित अभिनंदन समारोह में कार्यकर्ताओं ने बहादुरगढ़ युवा इनेलो हलका ग्रामीण अध्यक्ष जोंगेंद्र खत्री कुलासी, युवा इनेलो शहरी अध्यक्ष प्रवीन कुमार, युवा इनेलो हलका ग्रामीण उपाध्यक्ष हरदीप छिकारा व जोंगेंद्र जून, इनेलो कर्मचारी सेल के जिला संयोजक जय विरेंद्र दलाल, जिला युवा इनेलो उपाध्यक्ष विशाल दहिया, रोहतक लोकसभा के सोशल मीडिया प्रभारी रितेश छिकारा व विक्की दलाल, किसान सेल के बहादुरगढ़ हलकाध्यक्ष राज सिंह राठी का फूलमालाओं पहनाकर जोरदार स्वागत किया व नियुक्ति पर बधाई दी। समारोह में मंच संचालन संजीव मलिक ने किया।अभिनंदन सामारोह में इनेलो जिलाध्यक्ष कर्मबीर राठी ने युवा इनेलो शहरी व ग्रामीण अध्यक्ष सहित अनेक अन्य पदाधिकारियों का फूलमलाएं पहनकार स्वागत करते हुए कहा कि आगामी चुनाव में युवाओं का अहम रोल रहेगा। युवा मतदाता किसी भी चुनाव का रूख बदलने में अग्रणी रहते है इसलिए युवाओं को इनेलो पार्टी से जोड़कर पार्टी व संगठन को मजबूत करने के साथ आगामी सरकार इनेलो की बनवाने में अपनी सक्रिय जिम्मेदारी निभाएं। कर्मबीर राठी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कहा कि 2019 में हरियाणा प्रदेश में इनेलो की सरकार बनेगी और इनेलो की सरकार बनने के बाद किसान, युवा, श्रमिक, कर्मचारी सहित सभी वर्गों की भलाई किया जाएगा। अभिनंदन समारोह में मौजूद सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से अपनी नियुक्ति पर इनेलो सुप्रीमों ओमप्रकाश चौटाला, नेता प्रतिपक्ष अभय सिंह चौटाला, इनेलो प्रदेश अध्यक्ष अशोक अरोड़ा, युवा इनेलो प्रदेशाध्यक्ष जस्सी पेटवाड़, इनेलो जिलाध्यक्ष कर्मबीर राठी, पूर्व विधायक नफे सिंह राठी, इनेलो नेता रमेश दलाल, युवा इनेलो जिलाध्यक्ष मोहित चतर सिंह, इनेलो हलकाध्यक्ष राजबीर परनाला, इनेलो प्रदेश कार्यकारणी सदस्य धर्मबीर फौजी का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने संगठन में जो जिम्मेदारी उनकों सौंपी है उस जिम्मेदारी को वें पूरी ईमानदारी व निष्ठा से निभाते हुए पार्टी व संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे।

अभिनंदन समारोह में पूर्व सरपंच अतर सिंह शर्मा, सतीश नंबरदार, पूर्व सरपंच करतार सिंह, पूर्व पार्षद राजेश तंवर, पूर्व पार्षद राजेश तंवर, किशन पूर्व सरपंच, रणबीर सिंह, जगबीर राठी उर्फ लीडर, कृष्ण बामडोली, रणबीर रेढ़ू, मास्टर राज सिंह छिकारा, महेंद्र मास्टर, सत्यव्रत कादयान, जयभगवान, हेमचन्दर, कुलबीर, दिलबाग खत्री, राजेश प्रधान, जसबीर जस्सी, अनूप दलाल, कविंद्र जून, प्रमोद छिल्लर, सन्नी यादव, गौरव सैनी, सोनू दलाल, आजाद, ओमे, दीपक रंगा, प्रवीन सहरावत, संदीप सहरावत, संजीत कौशिक, रवि कौशिक, परमीत कौशिक, आनंद लाइनपार, सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने युवा इनेलो के नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया व नियुक्ति पर बधाई दी।

कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने गांव मांडोठी में किया ग्रामीणों को संबोधित

ग्रामीणों ने पंचायत मत्री धनखड़ व विधायक नरेश कौशिक का किया स्वागत

संवाददाता, बहादुरगढ़

हरियाणा के कृषि एवं पंचायत मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के बैंक खातों में छः हजार रुपए सालाना भेजने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की तो उसी तर्ज पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल से भी हरियाणा में छः हजार रुपए अतिरिक्त देने की योजना को मंजूरी दिलाई गई। उन्होंने रविवार को यह बात बहादुरगढ़ हलके के गांव मांडोठी की चौपाल में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर बहादुरगढ़ के विधायक नरेश कौशिक भी साथ रहे। कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र सरकार से हरियाणा के किसानों को 24 करोड़ रुपए मिलेंगे। जिससे किसानों को वार्षिक छ: हजार रुपए मिलेंगे और इस योजना की पहली किश्त के तौर पर दो हजार रुपए बैंक खातों में भी आ चुकी है। हरियाणा में इसी तर्ज पर छ: हजार रुपए की एक अन्य योजना तैयार की गई है। इस योजना में किसानों के साथ-साथ छोटा दुकानदार, नाई, मोची व अन्य कोई काम करने वाला जिसकी आय 15 हजार रुपए से कम हो योजना का पात्र होगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने जब किसानों से पूछा कि छ: के कर दिए बारह तो चौपाल में मौजूद ग्रामीणों ने भी हाथ उठाकर समर्थन देते हुए कहा कि किसानों की होगी पौ बारह। पंचायत मंत्री के समक्ष मांडोठी के ग्रामीणों ने तालाब वाले मंदिर के पुर्नविकास की मांग रखी तो मंत्री ने ग्रामीणों की मांग को पूरा करने का भरोसा दिया और कहा कि विधायक नरेश कौशिक इस मांग का प्रस्ताव रखेंगे बतौर विकास एवं पंचायत मंत्री वे इसकी मंजूरी देंगे। उन्होंने कहा कि गांव सिलाना के गुरू गोरखनाथ मंदिर की तर्ज पर इसको विकसित किया जाएगा। ग्रामीणों ने कृषि मंत्री धनखड़ एवं विधायक कौशिक का पगड़ी बांध कर व फूलमालाओं से स्वागत किया। विधायक नरेश कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा ही नहीं समस्त देश में विकास का नया दौर शुरू हुआ है। ईमानदार व पारदर्शी कार्यशैली से आमजन का केंद्र व राज्य सरकार के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ को अपना बड़ा भाई मानते हुए कहा कि गऊ माता की रक्षा और किसान की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में इनका सराहनीय योगदान रहा है। उन्होंने मांडोठी के ग्रामीणों की ओर से रखी गई मांगों को भी शीघ्रता से पूरा कराने का भरोसा दिया।

इस अवसर पर जिला परिषद के चेयरमैन परमजीत सौलधा, ब्लाक समिति चेयरपर्सन प्रतिनिधि युद्धवीर भारद्वाज, भूप सिंह दलाल, दिनेश शेखावत, बिजेंद्र मांडोठी, कृष्ण चंद, नरेश गौड सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गांव मांडोठी में ग्रामीणों को संबोधित करते कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, साथ हैं विधायक नरेश कौशिक। (छाया : टाइम्स.)

कबोसिया पाने में बनने वाले धार्मिक स्थल के लिए युद्धवीर ने दिया सहयोग

संवाददाता, बहादुरगढ़

गांव मांडोठी के कबोसिया पाने में पिछले दस दिनों से लख्मीचंद पर आधारित हरियाणवी सांग का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में ब्लॉक समिति चेयरमैन संघ के अध्यक्ष युद्धवीर भारद्वाज ने भी शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर चेयरमैन युद्धवीर भारद्वाज का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। युद्धवीर ने ग्रामीणों की मांग पर लोदयान जोहड़ के पास बने मंदिर के पास शैड निर्माण व चारदीवारी के लिए सवा पांच लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। जिस पर ग्रामीणों ने उनका आभार जताया।

इस मौके पर युद्धवीर भारद्वाज ने कहा कि हमें ऐसे धार्मिक आयोजनों में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। ऐसे आयोजनों में भाग लेने से आपसी भाईचारा मजबूत होने के साथ-साथ प्रेम की भावना भी बढ़ती है। इसलिए अपने आसपास होने वाले ऐसे आयोजनों में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांग थी कि इस मंदिर में शैड के निर्माण के साथ-साथ चारदीवारी भी कराई जाए, जिसके लिए उन्होंने सवा पांच लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। इसके निर्माण का कार्य भी शुरू करवा दिया गया है। जल्द से जल्द इसका कार्य पूरा भी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यूं तो ब्लॉक के सभी गांवों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, लेकिन मांडोठी गांव से मेरा कुछ अलग ही लगाव है। गांव के विकास के लिए वह हमेशा तत्पर रहते हैं। मेरा उद्देश्य है कि ब्लॉक के हर गांव का विकास शहरी तर्ज पर हो, जिसके लिए वह पूरी मेहनत व लगन से जुटे हुए हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि गांव के विकास से संबंधित अगर उनकी कोई और मांग है तो वह उन्हें अवश्य बताएं, जिसे पूरा कराने के लिए भी प्रयास करवाया जाएगा। इस मौके पर चौरासी के प्रधान भूप सिंह, प्रधान सतपाल, पूर्व प्रधान छोटेलाल, रणधीर, जयपाल, पप्पन, अशोक, जय सिंह, रामकर्ण दलाल सहित अनेक ग्रामीणों ने युद्धवीर का आभार जताया।

गांव मांडोठी के ग्रामीणों ने जताया चेयरमैन युद्धवीर का आभार। (छाया : टाइम्स.)

चुनाव आदर्श आचार संहिता की पालना दृढ़ता से होगी सुनिश्चित : एसडीएम

संवाददाता, बहादुरगढ़

एसडीएम तरूण कुमार पावरिया ने कहा कि बहादुरगढ़ उपमंडल में लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर चुनाव आदर्श आचार संहिता की दृढ़ता से पालना सुनिश्चित की जा रही है। किसी भी रूप से बिना परमिशन के राजनैतिक दलों द्वारा उपमंडल क्षेत्र में लगाए जा रहे होर्डिंग्स अथवा पोस्टर को लगाने की इजाजत नहीं है। आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर प्रशासन की ओर से निर्वाचन आयोग के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम पावरिया ने बहादुरगढ़ शहर में नगरपरिषद अधिकारियों के साथ चुनाव आचार संहिता की पालना को लेकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने मौके पर ही नगरपरिषद टीम को अवैध तरीके से लगे होर्डिंग्स को हटवाया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना सही तरीके से की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी व अद्र्धसरकारी भवनों, सार्वजनिक स्थानों व अन्य किसी प्रकार की संपत्ति पर प्रचार सामग्री चस्पा करना डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट और आदर्श आचार संहिता की अवहेलना माना जाएगा।

उन्होंने कहा कि भू स्वामी अनुमति के बिना प्राइवेट संपत्ति पर भी किसी प्रकार की चुनाव प्रचार सामग्री चस्पा करना गैर कानूनी माना जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को आदर्श आचार संहिता लागू होते ही सभी प्रकार की प्रचार सामग्री हटाने के निर्देश दिए जा चुके हैं और नियमित मोनिटरिंग संबंधित अधिकारियों द्वारा की जाए।

उन्होंने बताया कि राजनीतिक दल या उम्मीदवार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग नहीं करेंगे, जिस पर पूर्णतया पाबंदी रहेगी। लाउडस्पीकार बजाने के लिए प्रशासन से अनुमति लेना अति आवश्यक है। एसडीएम तरूण कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनाव प्रचार के रूप में प्रकाशित होने वाले पंपलेट, पोस्टर, हैंडबिल व अन्य प्रचार सामग्री को लेकर आवश्यक नियम निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रिंटर्स व प्रकाशकों के लिए जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 की धारा 127 ए के तहत प्रकाशित सामग्री पर अपना नाम व पता अंकित करना अनिवार्य होगा। इसका उल्लंघन करने वाले प्रिंटिग प्रेस मालिक के खिलाफ संबंधित अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम तरूण कुमार पावरिया ने बताया कि उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय जून के दिशा-निर्देशानुसार झज्जर जिला में चुनाव आदर्श आचार संहिता की अनुपालना पारदर्शिता से की जा रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में लोकसभा चुनाव छठे चरण में 12 मई को मतदान होगा।

लोकतंत्र प्रणाली में चुनाव को पर्व बताते हुए एसडीएम ने कहा कि चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशानुसार चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शिता व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करवाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्याओं के निवारण के लिए टोल फ्री नंबर 1950 जारी किया गया है।

शहर में निरीक्षण के दौरान नप अधिकारियों को चुनाव आचार संहिता की पालना दृढ़ता पूर्वक सुनिश्चित करने के निर्देश देते एसडीएम तरूण कुमार पावरिया। (टाइम्स.)

बहादुरगढ़ शहर में आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करते हुए एसडीएम तरूण कुमार पावरिया ने स्वयं दौरा कर हटवाए अवैध होर्डिंग्स। (छाया : टाइम्स.)

झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास के सुपुत्र के मांगलिक विवाह समारोह में सम्मिलित माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, माननीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह, उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री माननीय सतपाल जी महाराज, माननीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, अनेक केंद्रीय और राज्य मंत्रियों सहित बड़ी-बड़ी हस्तियों ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया।। (छाया : टाइम्स)

न्यूजीलैंड में गोलीबारी पर बोलीं प्रियंका नफरत हमेशा बुरी होती है

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने न्यूजीलैंड की दो मस्जिदों में गोलीबारी की घटना की निंदा करते हुए शनिवार को कहा कि यह घटना पूरी दुनिया के लिए इस बात की चेतावनी होनी होनी चाहिए कि नफरत हमेशा बुरी होती है। प्रियंका ने ट्वीट कर कहा, न्यूजीलैंड में भयावह आंतकी कृत्य दुनिया के लिए एक चेतावनी होना चाहिए कि नफरत कभी सही नहीं होती। उन्होंने कहा, पीड़ित परिवारों के साथ मेरी संवेदना है। कामना है कि इस अपराध का प्रतिरोध कर रहे करोड़ों लोगों के स्नेह एवं समर्थन से उन्हें ताकत मिले। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों में शुक्रवार को हुई गोलीबारी में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

न्यूजीलैंड हमले के बाद लापता हुए भारतीयों की जानकारी जुटा रहा है भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूजीलैंड में भारत के उच्चायोग ने शनिवार को कहा कि वह क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद से लापता सात भारतीयों एवं भारतीय मूल के दो लोगों का पता लगाने के लिए स्थानीय अधिकारियों से बातचीत कर रहा है। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि दो भारतीयों का उपचार किया जा रहा है। भारतीय उच्चायोग के ट्विटर अकाउंटर पर कहा गया, हम भारतीय मूल के दो लोगों समेत नौ भारतीयों का पता लगाने के लिए न्यूजीलैंड के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। दो भारतीयों का इलाज चल रहा है। अन्य के लिए न्यूजीलैंड सरकार से बात जारी है। साथ ही उनके परिवारों के साथ भी लगातार संपर्क में हैं। मध्य क्राइस्टचर्च की अल नूर मस्जिद और शहर के बाहरी हिस्से में लिनवुड मस्जिद पर शुक्रवार को हुए हमलों में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गयी थी। इससे पहले न्यूजीलैंड में भारत के उच्चायुक्त संजीव कोहली के ट्विटर अकाउंट से शुक्रवार को ट्वीट कर बताया गया था कि नौ भारतीय या भारतीय मूल के व्यद्रियों के लापता होने की जानकारी मिली है।

कर्नाटक में अपतटीय शोध पोत पर आग लगी, चालक दल के 30 सदस्य, 16 वैज्ञानिकों को बचाया गया

एजेंसी, नई दिल्ली

कर्नाटक के न्यू मेंगलोर में एक अपतटीय नौवहन शोध पोत पर आग लगने के बाद तटरक्षक बलों ने चालक दल के 30 सदस्यों और 16 वैज्ञानिकों को बचाया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। तटरक्षक के महानिरीक्षक (पश्चिमी क्षेत्र) विजय छापेकर ने कहा कि शुक्रवार रात 10 बजे मुंबई के मरीन रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर को महासागर शोधा पोत (ओआरवी) सागर संपदा में आग लगने की सूचना मिली। यह पोत पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत आने वाले एक संस्थान का है। पोत पर मौजूद 16 वैज्ञानिकों में से तीन महिला वैज्ञानिक भी थीं। अधिकारी ने कहा कि पोत के रिहाइश वाले क्षेत्र में आग लगी थी और चालक दल के सदस्य इस पर काबू नहीं कर सके। आग फैल गई जिसके बाद तटरक्षक बल ने तटरक्षक पोत विक्रम और सुजय को आवष्ठयक सहायता के लिये भेजा। छापेकर ने कहा, भारतीय तटक्षक पोत रात 12 बजे के कुछ देर बाद सागर संपदा के पास पहुंचे और आग पर काबू पाने के लिये साझा दल काम में जुटा। उन्होंने कहा कि तटरक्षक बलों के पोत पर उपलब्ध बाह्य अग्निशमन उपकरणों का इस्तेमाल भी आग पर काबू पाने के लिये किया गया।

चुनावी वादों से मुकर गई पंजाब की कांग्रेस सरकार : बिक्रम सिंह

संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में विपक्षी दल शिरोमणि अकाली दल ने शनिवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर 2017 के विधानसभा चुनावों के दौरान किये गए चुनावी वादों से मुकरने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में पंजाब सरकार दो साल पूरे होने पर पार्टी ने यह बात कही। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दो साल पूरे होने के मौके पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस सरकार ने पिछले दो वर्षों के दौरान किसानों, खेत मजदूरों, युवाओं, दलितों, उद्योग और सरकारी कर्मचारियों से किए गए हर वादे से मुकरते हुए पंजाब के लोगों विश्वास के साथ धोखा और विश्वासघात किया है।

भारत सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने में विश्व में अव्वल : नायडू

एजेंसी, हैदराबाद

उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा है कि इस समय विश्व स्तरीय उत्तम गुणवत्ता वाली सस्ती दवायें उपलब्ध कराया जाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। नायडू ने शनिवार को यहां सरोजिनी नायडू वनिता फार्मेसी महाविद्यालय के दूसरे दसवार्षिकी कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग के प्रतिनिधियों से उच्च गुणवत्ता युक्त सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने को आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि दवाओं के निर्माण में विश्व स्तरीय मानकों का कड़ाई से पालन होना चाहिए और दवाओं की उपलब्धता के साथ कोई समझौता किये बगैर नई दवाओं की खोज पर भी ध्यान दिया जाये। नायडू ने शोध और नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि प्रतिदिन स्वास्थ्य क्षेत्र में नई चुनौतियां उभर कर सामने आ रही हैं और संक्रामक, जीवनशैली से जुड़ी तथा कैंसर जैसी बीमारियां काफी तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में जेनरिक दवाएं उपलब्ध कराने में भारत सबसे अग्रणी है तथा एड्स के उपचार में दी जाने वाली एंटी रेट्रो वायरल दवाओं की आपूर्ति भी देश कर रहा है। नायडू ने कहा कि उनकी इच्छा भारत को जेनरिक दवाओं के क्षेत्र में सबसे बड़े देश के तौर पर देखने की है और वह युवा शोधकर्ताओं तथा वैज्ञानिकों से भारतीय मेडिसिन प्रणाली के स्तर को बरकरार रखने के पक्ष में हैं। उप राष्ट्रपति ने दवा कंपनियों से कहा कि वे कुछ कम जानी जाने वाली, खासकर दुर्लभ बीमारियों के उपचार में काम आने वाली नई दवाओं के विकास में भी भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि देश में इस तरह की बीमारियों से पीड़ित लोगों की संख्या इस समय सात करोड़ से अधिक है और ऐसी बीमारियों के उपचार के लिए कम दरों पर नई दवाओं के बारे में भी सोचने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि ऐसी दवाओं के बाजार में तेजी से उपलब्ध किए जाने पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके अलावा दवा कंपनियों को ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों, जीवन रक्षक दवाओं तथा एहतियाती वैक्सीनों के विकास पर भी ध्यान देना चाहिए।

हैदराबाद। सरोजिनी नायडू वनिता फार्मेसी महा विद्यालय के 2 वें उत्सव समारोह में सभा को संबोधित करते उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू। (छाया : एजेंसी)

केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बन रही है : राहुल

संवाददाता, देहरादून

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि इस बार केंद्र में पार्टी की सरकार बन रही है। गांधी पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद स्थानीय तीन जवानों के घर गए और शहीदों के परिजनों को सांत्वना दी। राहुल गांधी ने यह भी घोषणा की कि सरकार बनने पर न्यूनतम गारण्टी आय प्रदान की जायेगी। इस दौरान, भारतीय जनता पार्टी के सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी के पुत्र मनीष खुडूरी सहित बहुजन समाज पार्टी के अनेक लोगों ने कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जनसभा के बाद राहुल राहुल पुलगामा कांड में स्थानीय शहीद तीन जवानों के घर गए।

स्थानीय परेड मैदान में आयोजित परिवर्तन रैली में गांधी ने दावा किया कि इस बार केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है और उत्तराखंड की पांचों सीटों पर कांग्रेस विजय होगी। उन्होंने कहा कि अगर नरेंद्र मोदी पंद्रह-बीस लोगों को लाखों करोड़ रुपये दे सकते हैं तो कांग्रेस की सरकार बनने पर देश के हर गरीब को पैसा क्यों नहीं दिया जा सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड का देश की सुरक्षा में जो योगदान है, उसका तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। देश रक्षा के लिए यहां के जवान हमेशा आगे रहे हैं। उन्होंने पुलवामा हमले को लेकर भी केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आतंकी हमले के बाद हम भाजपा सरकार के साथ खड़े थे, लेकिन प्रधानमंत्री कार्बेट पार्क में नेशनल जियोग्राफिक चैनल के लिए फिल्म बना रहे थे, साढ़े तीन घंटे तक पहले हंसते हुए फोटो खिंचवा रहे थे। उन्होंने मंच से चौकीदार चोर है के नारे भी लगाए।

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी कहते हैं किसानों का कर्जा माफ करेंगे, लेकिन उस वादे का क्या हुआ। हमने भी मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में वहीं बात कही थी और दस दिन के भीतर कर्ज माफ भी कर दिया। उन्होंने कहा मोदी के पंद्रह लाख का वादा भी हवाई साबित हुआ। उन्होंने कहा कि देश के सामने रोजगार, किसानों की समस्या सबसे बड़ी है। पांच साल में मोदी सरकार ने इन दोनों के बारे में कुछ नहीं सोचा। उन्होंने कहा तूफान आता है तो किसान का पैसा अंबानी के खाते में जाता है। राहुल गांधी ने राफेल मुद्दा उठाते हुये जनता से सवाल किया कि कोई है यहां जिसने अनिल अंबानी का नाम नहीं सुना।

उन्होंने आगे कहा कि क्या अंबानी ने आजतक कोई हवाई जहाज बनाया है। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रेक्ट मिलने से ठीक पहले अनिल अंबानी नई कंपनी खोलते हैं, उसी कंपनी को दुनिया का सबसे बड़ा राफेल का कॉन्ट्रेक्ट मिल जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनिल अंबानी को मोदी ने 30 हजार करोड़ रुपये सीधे दिए। इसलिए राफेल सौदेबाजी दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला है। मोदी ने देश की जनता को गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि जब सीबीआई प्रमुख ने कहा कि वे इस घोटाले की जांच करेंगे, तो उन्हें डेढ़ बजे रात को निकाल दिया जाता है।

राहुल ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति ने भी यह स्वीकार किया कि मोदी ने सीधी बात फ्रांस की कंपनी से की। उन्होंने कहा कि आखिरकार मनीष खंडूरी आज कांग्रेस में क्यों हैं। उनके पिता भुवन चंद्र खंडूरी को सच बोलने कि सजा मिली और रक्षा मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। इससे पहले मंच पर पहुंचते ही कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। इसके बाद गांधी ने भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल खंडूरी के बेटे मनीष खंडूरी को कांग्रेस में शामिल किया।